

15 सितंबर, 2022
आश्विन, कृष्ण पक्ष, पंचमी
संवत् 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

गुरुवार, वर्ष 07, अंक 326

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कवीन एलिजाबेथ के अंतिम संस्कार में जयेंगी द्रोपदी मुर्मू: 17 से 19 सितंबर तक ब्रिटेन में रहेंगी राष्ट्रपति, पद संभालने के बाद पहली विदेश यात्रा



झारखंड में 1932 का खतियान

पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण पर मुहर

■ आरक्षण सीमा को 77 प्रतिशत करने का विधेयक भी पास

■ पूरे झारखंड से मिलने लगा सीएम हेमंत सोरेन को बधाइयों का तांता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में अब 1932 के खतियान वाले स्थानीय होंगे। हेमंत सोरेन कैबिनेट ने इससे संबंधित प्रस्ताव को पारित कर दिया। इसके साथ ही ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने की भी मंजूरी दी गयी। अब आरक्षण की सीमा 77 फीसदी हो जायेगी। इस पर भी कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 43 प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। जिनमें आंगनबाड़ी सेविका-साहियका के मानदेय, स्कूल में बच्चों को पांच दिन अंडा देने समेत अन्य प्रस्ताव शामिल हैं। फेसले के बाद पूरे झारखंड से सीएम हेमंत सोरेन को बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

कैसे होगी स्थानीयता की पहचान

कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने झारखंड के स्थानीय निवासियों की परिभाषा एवं पहचान हेतु 'झारखंड स्थानीय व्यक्तियों' की परिभाषा एवं परिणाम, सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को

● केंद्र सरकार से नौवीं सूची में शामिल करने का किया जायेगा अनुरोध

ऐसे स्थानीय व्यक्तियों के परिभाषित करने के विधेयक 2022' के गठन को मंजूरी दी है। डाडेल ने कहा कि सरल भाषा में इसे कहा जा सकता है कि कैबिनेट ने 1932 खतियान लागू करने पर निर्णय लिया है। इसके तहत जैसे व्यक्ति जिनका या जिनके पूर्वजों का नाम 1932 के खतियान में दर्ज है, उन्हें झारखंड का स्थानीय निवासी माना जायेगा। यदि किसी का खतियान पठनीय नहीं है या उसका नाम खतियान में दर्ज नहीं है तो उस व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा द्वारा की जायेगी। इस विधेयक को विधानसभा से पारित होने के बाद केंद्र के पास 9वीं सूची में शामिल करने के लिए केंद्र को भेजा जायेगा।

ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण

हेमंत सरकार ने एक और



अहम फैसला लेते हुए 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि कैबिनेट ने 'झारखंड में पदों एवं सेवाओं में आरक्षण

(अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लिए) अधिनियम 2001 में संशोधन 2022' को मंजूरी दी। झारखंड में अब कुल 77 फीसदी आरक्षण दिया जायेगा।

इस प्रस्ताव में एससी को 12 प्रतिशत, एसटी को 28 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग को 15 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग को 12 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। सामान्य वर्ग के लिए 23 फीसदी सीटें बची हैं। विधानसभा से विधेयक पारित होने के बाद इसे केंद्र सरकार के पास 9वीं सूची में शामिल करने के लिए भेजा जायेगा।

बीते कई माह से चल रहा था आंदोलन

झामुमो ने 2019 के विधानसभा चुनाव में अपने मेनिफेस्टो में वादा किया था कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आवे, तो 1932 के खतियान को आधार बनाकर स्थानीयता को परिभाषित करेगी। झामुमो के वरिष्ठ विधायक लोबिन हेंब्रम समेत कई अन्य विधायक इसे लागू करने की मांग कर रहे थे। पिछले कुछ महीनों से राज्य में स्थानीय नीति को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। विभिन्न संगठन

1932 के खतियान लागू करने की मांग कर रहे थे। इसी तरह आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो समेत विभिन्न संगठनों ने ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने की लगातार मांग कर रहे थे।

क्यों 1932 के खतियान की थी मांग

प्राप्त जानकारी के मुताबिक आजादी के पश्चात अंतिम सर्वे सेटलमेंट केवल सिंहभूम इलाके में हुआ था। ये सर्वे 1960 से 1964 के बीच हुआ था। मौजूदा झारखंड प्रदेश के अन्य इलाकों में 1932 के पहले ही अंतिम सर्वे सेटलमेंट हुआ था। बता दें कि साल 2002 में तात्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने 1932 को आधार बनाकर स्थानीयता परिभाषित करना का प्रयास किया था, लेकिन यह हो नहीं पाया था। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने कार्यकाल के दौरान स्थानीय नीति परिभाषित किया था। रघुवर सरकार ने 1985 से प्रदेश में रहने वाले लोगों को स्थानीय माना था।

किसानों को राहत देने का फैसला

रांची। हेमंत कैबिनेट में सुखाड़ को देखते हुए किसानों को राहत देने का फैसला लिया गया। किसानों को रबी में 90% अनुदान पर बीज दिया जायेगा। वर्तमान बीज नीति को सरकार ने शिथिल किया है। कृषि विभाग की ओर से किसानों को बीज देने के लिए नीति बनायी गयी है। नीति में प्रावधान है कि पहले 50 फीसदी अनुदान पर किसानों को बीज दिया जाता था अब इसे बढ़ाकर 90 प्रतिशत किया गया है। इस बार रबी के मौसम में किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर बीज मिलेगा।



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

Admission OPEN

PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available

NEEDING PARAMEDICAL PHARMACY

Separate Hostel For Boys And Girls

M: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: florence@gmail.com
Website: www.florenceinstitutions.com

सरकार की सांसों की आहट कोने-कोने में: सीएम

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के आम लोग कर्मचारी, आंगनबाड़ी सेविका हो या शिक्षक, सिपाही या जो भी हो आज उनके प्रति सरकार की संवेदनाएं हैं और राज्य के किसान से लेकर के शिक्षित बेरोजगारों, नौजवानों से लेकर उन सब के प्रति सरकार की जो संवेदना है वह आम लोगों के चेहरों पर देखने को मिल रही है। इससे हमलोगों को खुशी और काम करने की ताकत मिलती है। आज सरकार ने बड़े पैमाने पर कई ऐतिहासिक फैसले लिये चाहे वह 1932 का खतियान की बात हो, चाहे राज्य में विभिन्न वर्गों को आरक्षण से संबंधित बातें हो, सरकार ने निर्णय ले लिया है कि राज्य में 1932 का खतियान लागू हो। ओबीसी को 27 प्रतिशत का आरक्षण मिले। इस ऐतिहासिक



कैबिनेट के रूप में पुनः इसे लोगों ने सराहा है। आज क्या-क्या सरकार निर्णय लेगी किस पर मुहर लगेगा यह किसी को नहीं पता था, लेकिन क्षणभर में इतने सारे लोगों का एकत्रित होना निश्चित रूप से कहीं ना कहीं सरकार की सांसों की भी आहट इस राज्य के हर कोने तक पहुंच रही है। बहुत सारे संवर्ग की कुछ मांगें बाकी हैं, उन सभी लोगों से भी हम कहना चाहेंगे आप यह चिंता मत कीजिये। इस सरकार को कोई हिला नहीं सकता कोई डिगा नहीं

सकता। आप लोगों ने काम की जिम्मेदारी हमें दी है। आप सभी लोगों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। और सभी लोगों के लिए यह सरकार न्याय करेगी। हम आप लोगों को यह आश्वासन करना चाहते हैं। हम इस काम में लगे हैं। इस राज्य में कुछ लोग हमारे विपक्ष के साथी वातावरण में ऐसी दूसरी हवाओं को फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जहां पर हमारे कर्मचारी संघ काफी डरे सहमे से अपने आपको महसूस कर रहे हैं कि सरकार अब गयी तब गयी। इस राज्य में हर व्यक्ति एक समान है। हमारे लिए कोई आगे कोई पीछे नहीं है। तेजी से हम लोग सभी विभागों को निर्देशित किया है सभी विभागों में उलझी है चीजों का समाधान जल्द से जल्द करें, निराकरण करें ताकि राज्य तरक्की करें।

हेमंत के फैसले से जश्न में डूबे झारखंड के लोग

■ प्रोजेक्ट भवन के बाहर हुई आतिशबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। हेमंत सरकार कैबिनेट द्वारा 1932 का खतियान लागू होने के बाद जश्न का माहौल है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लगातार बधाइयां मिल रही हैं। राज्य में जगह-जगह से हर्षोल्लास साथ लोग सड़कों पर निकले। लोगों के जश्न मनाने की सूचना आ रही है। जगह-जगह आतिशबाजी हुई। मिठाइयां बांटी गयीं। लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दिया। प्रोजेक्ट भवन के बाहर



मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत हुआ। आतिशबाजी भी हुई। मुख्यमंत्री भी लोगों की इस खुशी में शामिल हुए। वह भी जनता से किये वायदे को

पूरा कर प्रफुल्लित नजर आ रहे थे। कैबिनेट के फैसले के बाद भारी संख्या में लोग प्रोजेक्ट भवन में जुट गये। आंगनबाड़ी सेविका-साहिया समेत अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों का प्रोजेक्ट भवन के गेट पर ही स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो, परिवहन मंत्री चंपई सोरेन समेत अन्य 1932 खतियान से संबंधित बैनर लपेटे नजर आये। भारी संख्या में लोग यहां जुटे और सभी का अभिनंदन किया। प्रोजेक्ट भवन के गेट के बाहर आतिशबाजी की गयी।

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS



HOUSE OF :
Marbles, Tiles Granites, Kota
Cuddappa & Sanitary Ware
Contact for 4.5", 6" Boring

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS
Near Holiday Home, Kanke Road, Ranchi-834008
E-mail : kundanmarble@gmail.com
Contact : 9334471800, 9472760801, 9334671802



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में 1932 खतियान के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। इसे लेकर समय-समय पर प्रदर्शन भी होता रहा है। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर क्या है 1932 का खतियान। इसे लेकर सियासत भी होती रही है। झारखंड में भाषा विवाद से शुरू हुआ आंदोलन 1932 के खतियान को लागू करने तक पहुंच गया था। इसके अलावा एक बार फिर स्थानीयता, भाषा का विवाद और 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति की मांग तेज होने लगी थी। दरअसल झारखंड राज्य की जब से स्थापना हुई, तभी से 1932 के खतियान का जिक्र होता रहा है। झारखंड गठन के बाद से ही इसकी मांग हो रही थी। 1932

खतियान का मतलब यह है कि 1932 के वंशज ही झारखंड के असल निवासी माने जायेंगे। 1932 के सर्वे में जिनका नाम खतियान में चढ़ा हुआ है, उनके नाम का ही खतियान आज भी है। उसी को लागू करने की मांग हो रही थी। 1932 के खतियान को आधार बनाने का मतलब यह है कि उस समय जिन लोगों का नाम खतियान में था, वे और उनके वंशज ही स्थानीय कहलायेंगे। उस समय जिनके पास जमीन थी, उसकी हजारों बार खरीद-बिक्री हो चुकी है। उदाहरण के तौर पर 1932 में अगर रांची जिले में 10 हजार रैयत थे, तो आज उनकी संख्या एक लाख पार कर गयी। अब तो सरकार के पास भी यह आंकड़ा नहीं है कि 1932 में जो जमीन थी, उसके कितने टुकड़े हो चुके हैं।

क्या है 1932 का खतियान

1932 को समझने के लिए इतिहास जानना जरूरी

1932 खतियान को समझने के लिए थोड़ा इतिहास समझना होगा। दरअसल बिरसा मुंडा के आंदोलन के बाद 1909 में छोटानागपुर कारतकारी अधिनियम यानी सीएनटी एक्ट बना। इसी एक्ट में मुंडारी खूंटकट्टीदार का प्रावधान किया गया। इसी प्रावधान में यह व्यवस्था की गयी, जिसके जरिये आदिवासियों की जमीन को गैर-आदिवासियों के हाथों में जाने से रोका गया। आज भी खतियान यहां के भूमि अधिकारों का मूल मंत्र या संविधान है।

कोल्हान की भूमि आदिवासियों के लिए सुरक्षित कर दी गयी

देश में 1831 से 1833 के बीच क्या स्थिति रही, उसके बारे में भी जानकारी जरूरी है। दरअसल उस वक्त कोल विद्रोह के बाद विल्किंसन रूल आया। कोल्हान की भूमि ही आदिवासियों के लिए सुरक्षित कर दी गयी। वहीं यह व्यवस्था निर्धारित की गयी की कोल्हान का प्रशासनिक कामकाज ही मुंडा और मानकी के द्वारा कोल्हान के सुपरिंटेंडेंट करेंगे।

1913 से 1918 के बीच हुआ सर्वे

कोल्हान क्षेत्र के लिए 1913 से 1918 के बीच का समय काफी महत्वपूर्ण रहा। इसी दौरान लैंड सर्वे का कार्य किया गया और इसके बाद मुंडा और मानकी को खेवट में विशेष स्थान मिला। आदिवासियों का जंगल पर हक इसी सर्वे के बाद दिया गया। 1947 में देश आजाद हुआ। 1950 में बिहार लैंड रिफॉर्म एक्ट आया। इसके लेकर आदिवासियों ने प्रदर्शन किया। इसी साल 1954 में एक बार इसमें संशोधन किया और मुंडारी खूंटकट्टीदारी को इसमें छूट मिल गयी।

2002 में लायी गयी डेमिसाइल नीति

झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने वर्ष 2002 में राज्य की स्थानीयता को लेकर डेमिसाइल नीति लायी थी, तो उस दौरान खूब प्रदर्शन हुए। जगह-जगह पर आगजनी हुई और इस दौरान लोगों की मौत भी हुई। यह मामला झारखंड हाइकोर्ट पहुंच गया और कोर्ट ने इसे अमान्य घोषित करते हुए रद्द कर दिया। यह मामला इतना बढ़ गया कि बाबूलाल मरांडी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा और उनकी



जगह पर मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को मुख्यमंत्री बनाया गया। उन्होंने स्थानीय नीति तय करने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनायी, लेकिन उसके बाद उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसके बाद जो भी सरकारें आयीं, सभी ने इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में ही छोड़ दिया। साल 2014 में जब रघुवर दास मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने इस मामले पर बड़ा फैसला लिया। हालांकि तब भी धरना-प्रदर्शन हुआ, लेकिन उन्होंने इस मामले को निपटा लिया। इस दौरान रघुवर

सरकार ने 2018 में राज्य की स्थानीयता की नीति घोषित कर दी, जिसमें 1985 के समय से राज्य में रहनेवाले सभी लोगों को स्थानीय माना गया। रघुवर दास ने इस मामले पर फैसला ले लिया था, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा की राजनीति अलग है। वह शुरू से ही झारखंड में 1932 के खतियान की समर्थक रही है। उसने गत विधानसभा चुनाव में यह वादा किया था कि अगर उसकी सरकार आयी, तो झारखंड में 1932 का खतियान लागू होगा। इसकी

घोषणा कई अवसरों पर पहले झामुमो सुप्रियो शिबू सोरेन और उसके बाद झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उठाते रहे हैं। 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में झामुमो को मिली प्रचंड जीत में 1932 के खतियान के वायदे की बहुत बड़ी भूमिका रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनते ही 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति की बात होने लगी। झामुमो के मंत्री और नेता बार-बार उसे लागू करने की बात करते

रहे। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने साल 2020 में ही बयान दिया था कि झारखंड की स्थानीय नीति का आधार 1932 का खतियान होगा। भारतीय जनता पार्टी की रघुवर दास की सरकार के 1985 स्थानीय नीति का कोई आधार नहीं है।

रांची-धनबाद के 75 फीसदी लोग हो जायेंगे बाहरी

जानकार कहते हैं कि 1932 का खतियान लागू होते ही रांची, धनबाद, जमशेदपुर और बोकारो जैसे बड़े शहरों में रहनेवाले 75 फीसदी लोग स्थानीय होने की शर्त पूरी नहीं कर पावेंगे और वे बाहरी हो जायेंगे। इन शहरों में लोग रोजी-रोजगार के लिए आये और बसते चले गये। उस समय धनबाद का तो अस्तित्व ही नहीं था। 1971 में कोयले के राष्ट्रीयकरण के पहले यहां खदानों के निजी मालिक हुआ करते थे। उन्होंने ही यूपी और बिहार से खदानों में काम करने के लिए लोगों को बुलाया, जो यहां बसते चले गये। फिर 1952 में सिंदरी उर्वरक कारखाना शुरू होने के बाद यहां काम करने के लिए बाहरी लोग आये और वहीं बस गये। शहरी क्षेत्रों में ऐसे लोगों की संख्या अधिक है।

वो 21 जुलाई 1993 का दिन था, ये 13 सितंबर 2022

- उस वक्त भी सत्ता के खिलाफ जनता ने ली थी अंगड़ाई, 29 साल बाद पश्चिम बंगाल में दोहराया जा रहा इतिहास
- उस वक्त ज्योति बसु की सरकार थी, आज ममता बनर्जी हैं सरकार ■ उस दिन सत्ता के खिलाफ ममता थीं, आज ममता के खिलाफ सुवेंदु
- उस वक्त तख्त पलटा था, इस बार क्या कुछ होनेवाला है ■ ये कुछ और नहीं, बंगाल में बदलाव का संकेत है
- नबन्ना मार्च की कामयाबी, ममता बनर्जी के लिए बज गयी है खतरे की घंटी



राकेश सिंह

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में 13 सितंबर 2022 की तारीख को एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज किया जायेगा, जब इसने करीब 30 साल पुराने अध्याय को दोहराया। वह 21 जुलाई 1993 का दिन था, जब ममता बनर्जी ने राइटर्स पर कब्जे का अभियान शुरू किया था और पुलिस फायरिंग में 11 लोग मारे गये थे। ममता बनर्जी खुद इस्प्लानेड की सड़कों पर लहुलुहान होकर छटपटा रही थीं। अस्पताल में उनके सिर में 13 टांके लगे थे। तब बंगाल में ज्योति बसु की अगुवाई में वामपंथियों का शासन था और उनके खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में ममता बनर्जी कर रही थीं। कहते हैं, उस समय शासन के सम्राट ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि उसका सूरज कभी अस्त होगा। सच कहा जाये, तो ज्योति बसु की सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने की कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। उस एक घटना ने ममता बनर्जी को रातोरात राजनीति की अगली पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया। 13 सितंबर 2022 को भाजपा के नबन्ना मार्च के दौरान जो कुछ हुआ, वह एक हद तक 1993 की

आजाद सिपाही विशेष

आतंक को छोड़ सीना तान कर खड़े हो गये हैं। लोकतंत्र में यह स्थिति तब पैदा होती है, जब सत्ता के जुल्म और आतंक से जनता आजिज आ चुकी होती है। बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ कुछ ऐसा ही माहौल बन गया है। दरअसल पश्चिम बंगाल के लोग इस सरकार के भ्रष्टाचार और आतंक के राज से तंग आ चुके हैं और यही बदलाव का पहला पुख्ता संकेत है। तो क्या सचमुच बंगाल की राजनीति बदल रही है और वहां अब बदलाव की हवा बहने लगी है, तथ्यों के आधार पर बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

याद दिला रहा है। परिस्थितियां लगभग समान, केवल किरदार बदले हुए थे। उस समय ममता बनर्जी पुलिस के निशाने पर थीं, इस समय उनकी पुलिस के निशाने पर शुभेंद्र अधिकारी और भाजपा के नेता हैं। उस दिन सचमुच में ममता बनर्जी के साथ आम लोग पहली बार वाम मोर्चा सरकार के खिलाफ डर और आतंक छोड़ कर सड़क पर उतर गये थे और अब भी आम लोग तृणमूल कांग्रेस के डर और आतंक को छोड़ सीना तान कर खड़े हो गये हैं। लोकतंत्र में यह स्थिति तब पैदा होती है, जब सत्ता के जुल्म और आतंक से जनता आजिज आ चुकी होती है। बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ कुछ ऐसा ही माहौल बन गया है। दरअसल पश्चिम बंगाल के लोग इस सरकार के भ्रष्टाचार और आतंक के राज से तंग आ चुके हैं और यही बदलाव का पहला पुख्ता संकेत है। तो क्या सचमुच बंगाल की राजनीति बदल रही है और वहां अब बदलाव की हवा बहने लगी है, तथ्यों के आधार पर बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली, यानी लोकतंत्र का सबसे शानदार पहलू यह होता है कि इसमें तंत्र की कमान लोक के हाथों में होती है, लेकिन जब वही कमान लोक के हाथों से छीन कर तंत्र अपने हाथ में ले लेता है, तो स्थिति विकट हो जाती है। बंगाल में 13 सितंबर 2022 को जो कुछ हुआ, वह उसी विकट स्थिति का परिणाम है, क्योंकि वहां के तंत्र ने लागू अपने हाथों में थाम रखी है। वहां विरोधियों के खिलाफ हिंसा का तांडव हो रहा है। वह हिंसा सत्ता प्रयोजित है। बंगाल को भारतीय राजनीति का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाता है और यह नामकरण वैसे ही नहीं हुआ है। कहा जाता है कि बंगाल जो आज सोचता है, वह बाकी देश कल सोचता है। तब सवाल उठता है कि उस बंगाल की कमान तंत्र ने अपने हाथों में कैसे ले ली है।

शहीद मैदान खचाखच भर गया था। युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने वामपंथियों के हाथों से कमान छीनने के उद्देश्य से राइटर्स पर चढ़ाई का एलान किया था। कोलकाता की सड़कें सुरक्षा बलों से पट गयी थीं, लेकिन ममता के आह्वान पर लाखों की भीड़ राइटर्स की ओर कूच कर गयी। पुलिस से भिड़ंत हुई, फायरिंग में 11 लोग मारे गये और ममता समेत 50 से अधिक लोग घायल हो गये। उस दिन ममता बनर्जी को लक्ष्य करके पुलिस ने लाठी चलायी थी, जिसमें उनका सिर फट गया। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने 13 टांके लगाये थे। इस एक घटना ने ममता बनर्जी के रूप में बंगाल को नया नायक दे दिया। उस समय कांग्रेस तो इसका कोई राजनीतिक लाभ नहीं ले पायी, लेकिन कांग्रेस से अलह होकर करीब 18 साल बाद 2011 में उसी ममता बनर्जी ने वामपंथियों के गढ़ को ढाह दिया और आज तक सत्ता उनके हाथ में है। लेकिन ममता की अगुआई में आज पश्चिम बंगाल का शासन ठीक उसी राह पर चल पड़ा है, जैसा ज्योति बसु और उसके बाद बुद्धदेव भट्टाचार्य के हाथ में हो गया था। आज उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता विरोधियों पर सत्ता प्रयोजित हिंसा में शामिल हो गये हैं। ममता बनर्जी भी 1993 की घटना को भूल गयीं। तभी तो 2021 के मई में लगातार तीसरी



बार मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता और उनके करीबी लोग उसी दलदल में फंस कर दिये, जिसमें वामपंथी फंसे थे। भ्रष्टाचार और आतंक के बल पर ममता के करीबियों ने बंगाल का चुनाव तो जीत लिया, लेकिन लोगों को नहीं जीत सके। इसका परिणाम 13 सितंबर, 2022 को उस समय सामने आया, जब पूरे बंगाल से लाखों लोग भाजपा के आह्वान पर हावड़ा में नबन्ना मार्च के लिए निकल पड़े। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस के

नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में हिंसा का नंगा नाच शुरू कर दिया। अपने विरोधियों को चुन-चुन कर निशाना बनाने लगे। हालत यह हो गयी कि तृणमूल छोड़ कर जो कदावर नेता भाजपा में शामिल हुए थे, वे भी तृणमूल के प्रहार से अंदर से हिल गये और भयभीत होकर पुनः तृणमूल कांग्रेस का झंडा थाम लिया। मुकुल राय से लेकर अर्जुन सिंह जैसे कदावर नेता डर कर फिर तृणमूल में चले गये।



13 सितंबर 2022 के मार्च के दौरान हिंसा भड़क उठी। मार्च में शामिल लोगों के दिल से भय निकल चुका था। वे पुलिस के सामने तन कर खड़े हो गये। नतीजा यह हुआ कि देखते ही देखते पुलिस की गाड़ियों से आग दहकने लगी। अंततः पुलिस को लाठी का सहारा लेना पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी हाथ में पत्थर उठा लिये। देखते ही देखते तीन चार क्षेत्र रण क्षेत्र के रूप में तब्दील हो गये। इसमें कई पुलिस अधिकारी और भाजपा नेता भी

घायल हुए। संतरगाछी, हावड़ा, कोलकाता के लालबाजार और एमजी रोड इलाकों में भी प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गये। भाजपा ने यह मार्च ममता सरकार के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर बुलाया था। इस राजनीतिक प्रदर्शन का उद्देश्य चाहे कुछ भी रहा हो, इसका नतीजा चाहे कुछ भी हो, इसमें आम लोगों की भागीदारी और गुस्से के देख कर यह तो स्पष्ट हो गया कि बंगाल के लोग अब दीदी के शासन से तंग आ चुके हैं। सत्ता

प्रयोजित हिंसा से कराह रहे हैं। उनके भीतर जो आतंक और डर था, उससे वे बाहर निकल आये हैं। उन्हें अब पार्थ चटर्जी, अनुभूत मंडल और तृणमूल कांग्रेस के बाहुबली नेताओं के खिलाफ सड़क पर उतरने में डर नहीं लगता है। उन्हें अभिषेक बनर्जी जैसे नेताओं उनके परिवार के लोगों का भ्रष्टाचार अब मंजूर नहीं है। अपने लोगों के भ्रष्टाचार ने ही ममता बनर्जी को अंदर से कमजोर किया है। भाजपा से राजनीतिक लड़ाई होती, तो ममता आसानी से उसे परास्त कर देतीं, लेकिन इस बार भ्रष्टाचार मुद्दा बन गया है। पश्चिम बंगाल में खूब भ्रष्टाचार पनपा है, यह सिर्फ आम लोग ही नहीं कह रहे, बल्कि कलकत्ता हाइकोर्ट के कई फैसलों ने इस पर मुहर लगायी है कि वहां भ्रष्टाचार खूब फल-फूल रहा है। हाइकोर्ट के आदेश के बावजूद लगभग एक दर्जन मामलों में भ्रष्टाचार की जांच हो रही है। इडी और सीबीआइ के निशाने पर एक दर्जन से अधिक ममता बनर्जी के विश्वासपात्र नेता, विधायक और सांसद हैं। ममता बनर्जी के छह परिजनों की संपत्ति जांचने का आदेश हाइकोर्ट ने दिया है। इसी भ्रष्टाचार के कारण ममता बनर्जी के खिलाफ अब लोगों के मन में घृणा का भाव उत्पन्न हो गया है। स्वाभाविक तौर पर लोगों का यह गुस्सा बंगाल की राजनीति में बदलाव का वाहक बनता रहा है और आगे भी बनेगा।

पहले जिस तरह कांग्रेस से छीन कर वामपंथियों ने थामा था, फिर वामपंथियों से यह तृणमूल कांग्रेस के हाथों में गयी, उसी तरह अब बारी शायद भाजपा की है। लेकिन इसके लिए अभी भाजपा को बहुत लंबा सफर तय करना होगा। लेकिन भाजपा के लिए सुकून देनेवाली बात यह है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के भ्रष्टाचार ही उन्हें आंदोलन के लिए ऊर्जा दे रहे हैं और इसमें उन्हें आम जनता का समर्थन मिलने लगा है। बंगाल की राजनीति का यह अध्याय ममता बनर्जी के माध्यम से उन तमाम नेताओं और राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी बन कर आया है, जो खुद को अपराजेय मानते हैं और समझते हैं कि आतंक के बल पर वे मनमानी करते रहेंगे। उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र का लोक जब अपने पर आता है, तो वह बड़ी से बड़ी ताकत को मटियामेट कर देता है। नबन्ना मार्च का यही संदेश है कि बंगाल के लोग ममता बनर्जी के शासन में व्याप्त भ्रष्टाचार से ऊब चुके हैं। उन्हें अब इस बात का भी डर नहीं रहा कि सत्ताधारी पार्टी के तथाकथित गुंडे उनके साथ क्या सलूक करेंगे। इसलिए यह समय ममता बनर्जी के चेतने का है। बदलाव के संकेतों को वह जितनी जल्दी समझ लेंगी, उनके लिए उतनी ही सहाूलियत होगी। नहीं तो पश्चिम बंगाल में व्याप्त भ्रष्टाचार उन्हें अपने आगोश में लेने को तैयार बैठा है।

झारखंड मंत्रालय में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

हिंदी हमारी सभ्यता-संस्कृति की पहचान है : हेमंत सोरेन

सभी हिंदी भाषा को अपनाने का काम करें : सीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भाषा मनुष्य के जीवन में बहुत ही अहम भूमिका अदा करती है। किसी भी व्यक्ति के लिए धन-दौलत से भी बड़ी उसकी भाषा है। हमारा देश बहुभाषी देश है, हम सभी लोगों को हिंदी भाषा को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने, उसे जीवित रखने के संकल्प के साथ हिंदी दिवस को मनाने की जरूरत है। उक्त बातों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में विभिन्न भाषा-संस्कृति के लोगों ने तिरंगे झंडे को अपनाने का काम किया है, उसी प्रकार सभी लोग हिंदी भाषा को अपनाने का काम करें। तिरंगा सिर्फ एक ही भाषा बोलता है कि हम भारतीय हैं। जिस प्रकार तिरंगा देश की पहचान है वैसे ही हिंदी भाषा भी देश की पहचान होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कहीं न कहीं देश और दुनिया में प्रतिस्पर्धा का दौर चल रहा है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में भाषाओं पर लगे बढ़ा आघात पहुंच रहा है। बहुत आने आप को स्थापित करने के लिए भाषायी आघात को



बर्दाशत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य झारखंड में भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां आज भी लोग हिंदी भाषा नहीं समझ पाते हैं। राज्य सरकार जब भी कोई कार्य योजना बनाती है तब मैं पदाधिकारियों से इस बात की चर्चा करता हूँ कि जिन क्षेत्रों में लोग हिंदी नहीं बोल-समझ पाते हैं वहां के लोगों को क्षेत्रीय भाषाओं में समझाकर योजनाओं को गति दी जा सकती है। जिन क्षेत्रों में लोग हिंदी भाषा को नहीं समझ पाते हैं वहां बिचौलिया सक्रिय हो जाते हैं। परिणाम यह होता है कि सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत फायदा लाभुकों को नहीं मिल पाता है। वहीं भाषा का फायदा उठाकर सरकार का एक बहुत बड़ा आघात पहुंच रहा है। लोग आने आप को स्थापित करने के लिए भाषायी आघात को

बड़ा विषय है। मैं आज के दिवस को भाषा को बढ़ाने का विषय, उसे अपनाने का विषय, भाषा को जीवित रखने के संकल्प दिवस के रूप में देखता हूँ।

हिंदी भाषा की स्वीकार्यता बढ़ी है : मुख्य सचिव

मौके पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की स्वीकार्यता बढ़ी है। हमारे देश के वैसे नागरिक जो अन्य देशों में रह रहे हैं वे हमारी हिंदी भाषा को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। किसी भी देश की भाषा ही उसकी संस्कृति एवं परंपराओं को एक धागे में पिरोने का काम करती है। हिंदी हमारे देश की ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे अधिक लोकप्रिय भाषाओं में से एक है। इस अवसर

पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी और युवा कवयित्री जसिंता केरकेट्टा ने अपने संबोधन में हिंदी भाषा के महत्व पर पर विस्तृत प्रकाश डाला। मौके पर मुख्यमंत्री और विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों से कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले प्रतिभागियों में पवन कुमार, सुमित नीरज, मधुप्रिया हेब्रम उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे सहित कई गणमान्य साहित्यकार, लेखक एवं शिक्षाविद उपस्थित थे।

नेत्रहीन रेप पीड़िता के होनेवाले बच्चे के नाम 10 लाख फिक्स करे सरकार: हाइकोर्ट

कोर्ट ने पीड़िता के लिए विकलांग पेंशन चालू करने का भी निर्देश सरकार को दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की कोर्ट ने नेत्रहीन रेप पीड़िता की क्रिमिनल रिट याचिका पर सुनवाई की। प्रार्थी के अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने पेश की। कोर्ट ने बुधवार को नेत्रहीन रेप पीड़ित आदिवासी युवती के मामले में राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह आने वाले बच्चे के नाम पर नेशनल बैंक में 10 लाख रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट कराये, ताकि 21 वर्ष होने पर यह राशि उस बच्चे को मिल सके।

कोर्ट ने पीड़िता के लिए विकलांग पेंशन चालू करने का भी निर्देश सरकार को दिया। राज्य



सरकार को यह भी निर्देश दिया है कि वह आने वाले बच्चे के प्री डिलीवरी एवं पोस्ट डिलीवरी की जिम्मेदारी वहन करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि इस तरह के मामलों को देखते हुए रांची में शेल्टर होम खोलने पर विचार किया जाये।

कोर्ट ने हाइकोर्ट के इस आदेश को राज्य के मुख्य सचिव, समाज कल्याण महिला और बाल विकास विभाग के सचिव, रांची डीसी एवं डालसा, रांची के सचिव को भी भेजने का निर्देश दिया है। यह

आदेश राज्य सरकार को देते हुए कोर्ट ने मामले को निष्पादित कर दिया।

इससे पहले मंगलवार को मामले की सुनवाई के दौरान रिम्स निदेशक ने कोर्ट को बताया कि पीड़िता का गर्भपात नहीं हो सकता है। क्योंकि, वह 28 सप्ताह की गर्भवती है। इसके बाद कोर्ट ने रिम्स, राज्य सरकार और प्रार्थी के अधिवक्ता को इस मामले में आगे क्या किया जा सकता है इस पर आपस में बैठकर विचार करने को कहा था।

उल्लेखनीय है कि पीड़ित नगड़ी थाना क्षेत्र में रहती है। उसके साथ वर्ष 2018 में पहली बार रेप हुआ। उसके साथ फिर से रेप की घटना हुई, जिससे वह गर्भवती हो गयी। उसने आर्थिक स्थिति खराब होने का हवाला देते हुए कोर्ट से गर्भपात कराने की गुहार लगायी है।

बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं, बस उसे निखारने की जरूरत : राज्यपाल

राज्यस्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य बाल कल्याण परिषद ने बुधवार को राजभवन में राज्यस्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि झारखंड के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उसे निखारने की जरूरत है। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों सहित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों की कला की सराहना करते हुए कहा कि हर बच्चे में विभिन्न प्रकार की प्रतिभा निहित रहती है, आवश्यकता है उनमें निहित प्रतिभा को निखारने की। उन्होंने कहा कि आज दिव्यांगों के लिए वर्तमान में जो कानून हैं, इस कानून के निर्माण के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश के कई हिस्सों में जाकर दिव्यांगों से मिलकर उनकी व्यथा सुनी।



उनमें निहित प्रतिभाओं को देखा। उनको सहायता एवं स्नेह की जरूरत है, जिससे वे और प्रगति कर सकें। इन्हें हर क्षेत्र में आगे ला सकते हैं। इस अवसर पर छात्र वैभव कुमार शर्मा ने राज्यपाल का चित्र बनाकर उन्हें भेंट किया। राज्यपाल ने छात्र के प्रयास की सराहना की। राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि यह चित्रांकन प्रतियोगिता बच्चों में निहित कला को प्रखर करने का सशक्त माध्यम है।

प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों के बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस राज्यस्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता में राज्य के 18 जिले के कुल 227 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें 71 दिव्यांग बच्चों की भागीदारी रही। इन बच्चों को विभिन्न श्रेणी में वर्गीकृत किया गया। राज्यपाल ने सभी श्रेणी के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता को सम्मान राशि से भी पुरस्कृत किया।

बच्चा चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने तीन महिलाओं को बंधक बनाकर पीटा, पुलिस ने कराया मुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिले के रातू थाना क्षेत्र स्थित सिमलिया नयागांव में ग्रामीणों ने तीन महिलाओं को बंधक बनाकर पीटाई की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि तीनों महिलाएं दवा बेचने के नाम पर घर-घर घूम रही हैं और बच्चों को नशीली दवाईं सुंघा कर उन्हें अपने साथ लेकर भाग जा रही हैं। जिन महिलाओं के साथ मारपीट की गयी है वे लोग खानाबदोश समाज से आती हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस



पहुंच कर सभी तीनों महिलाओं को ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराया। बता दें कि हाल के दिनों में गड़वा, पलामू में बच्चा चोरी के आरोप में कई लोगों को पीटाई की गयी है।

अफवाह उड़ने पर ग्रामीणों ने बनाया बंधक

जानकारी के मुताबिक तीनों महिलाएं गांव में दवा बेचने के लिए गयी थीं। इस दौरान किसी ने अफवाह फैला दिया कि महिलाएं बच्चा चुराने के लिए गांव में आयी हैं। अफवाह फैलने ही ग्रामीणों ने तीनों महिलाओं को बंधक बना लिया और मारपीट भी की। पुलिस मौके पर पहुंचकर कर ग्रामीणों को समझाकर तीनों महिलाओं को उनके चुंगल से मुक्त करवा लिया। पुलिस ने बताया कि तीनों महिलाओं के साथ ग्रामीणों ने मारपीट की है। हालांकि तीनों बंजारन महिलाएं ग्रामीणों को यह समझाने का प्रयास कर रही थीं कि वे बच्चा चोर नहीं हैं, वे जड़ी-बूटी बेच कर अपना जीवन यापन करती हैं। पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि तीनों महिलाओं को अपने साथ थाना ले जा रहे हैं। अगर पूछताछ में कोई भी संदेह वाली बात सामने आयी तो तीनों महिलाओं को जेल भेज दिया जायेगा। पुलिस के समझाने पर ग्रामीण तीनों महिलाओं को उन्हें सौंपने को तैयार हो गये, जिसके बाद पुलिस तीनों महिलाओं को अपने साथ लेकर रातू थाना आ गयी।

इडी ने डहू को आज तक का दिया समय, नहीं तो होगी संपत्ति जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में अवैध खनन मामले की जांच इडी कर रही है। इस मामले को लेकर इडी ने पंक मिश्रा और बच्चू यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं दूसरी तरफ दाहू यादव को समन भेजा है। दाहू यादव फरार चल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इडी ने दाहू यादव को

पूछताछ के लिए 15 सितंबर को इडी ऑफिस आने को कहा है। नहीं आने पर इडी गिरफ्तारी वॉरंट और संपत्तियों जब्त जैसी कार्रवाई करेगी।

तीन बार इडी भेज चुकी है समन

बता दें कि इससे पहले इडी

ने दाहू यादव को तीन बार समन भेजा था, लेकिन वह नहीं आया। जिसके बाद इडी ने उसकी पत्नी, बेटे और भाई को भी समन भेजा। यह पता चला कि झारखंड के सीएम प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के एक पीएफ सहयोगी दाहू यादव ने अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर संपत्ति जुटाई, जिसे अवैध खनन

की आय के रूप में करार दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि दाहू यादव अपने आदिमियों के साथ भागलपुर जिले के मधुबन-पीरपैती इलाके में देखे गये, लेकिन दाहू यादव को इडी के सामने पेश हुए करीब दो महीने हो चुके हैं। इडी ने उन्हें आखिरी बार 18 जुलाई को देखा था और उनसे पूछताछ की थी।

आजसू पार्टी का सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह आज

केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो बतौर मुख्य अतिथि होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का प्रमंडलस्तरीय सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को बिनोद बिहारी महतो स्टेडियम, बगदाहा, टुंडी में होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि सर्वप्रथम शहीद वेदी पर माल्यार्पण किया जायेगा।



इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो की ओर से पंचायत प्रतिनिधियों को शपथ दिलायी जायेगी। कार्यक्रम में पार्टी के भावी कार्यक्रम पर चर्चा की जायेगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम

में उत्तरी छोटानागपुर के सभी सात जिले, 90 प्रखंड एवं 1522 पंचायत के लगभग 9235 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में केंद्रीय पदाधिकारी, सभी अनुपंगी इकाई के प्रदेशस्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ उत्तरी छोटानागपुर के सभी जिला, पंचायत, प्रखंड-नगर और सभी अनुपंगी इकाई के पदाधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। सम्मेलन को लेकर नेताओं, कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों में काफी उत्साह है।

जिनकी सकल वार्षिक आय लगातार तीन वर्ष तक 8 लाख से कम है, उन्हें मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी की उपचार योजना में 17 बीमारियां शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत प्रभावित व्यक्तियों की चिकित्सा के लिए विभागीय स्तर से चिकित्सा सहायता अनुदान की राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख की गयी है। साथ ही योजना में 17 बीमारियों को सम्मिलित भी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने योजना को लेकर संकल्प जारी किया है। गौरतलब है कि योजना का लाभ वैसे व्यक्तियों को मिलेगा जिनकी सकल वार्षिक आय लगातार तीन वर्ष तक 8 लाख से कम है। उन्हें असाध्य रोग (सभी



प्रकार के कैंसर, किडनी प्रत्यारोपण, गंभीर लीवर रोग और एसिड अर्टिक में 5 लाख का चिकित्सा अनुदान प्रदान करने का प्रावधान पूर्व से है, लेकिन कई मामलों में देखा गया है कि इलाज की 5 लाख से अधिक की राशि की आवश्यकता होती है। ऐसी परिस्थिति में मंत्रिमंडल की

अत्यधिक समय लगने की संभावना बनी रहती है। जिस कारण रोगी के समुचित इलाज में कठिनाई होती है।

विभागीय मंत्री की स्वीकृति मिलने पर होगा राशि का भुगतान योजना के तहत चिकित्सा अनुदान की राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख तक विभागीय

मंत्री के स्तर से स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। व्यवस्था के तहत लाभुकों को समय पर चिकित्सा अनुदान की राशि उपलब्ध करायी जायेगी और आमजनों को बेहतर सुविधा मिलेगी। जबकि 5 लाख तक की राशि पूर्व प्रावधान के अनुरूप संबंधित सिलिल सर्जन के स्तर से दिया जायेगा। किसी विशेष परिस्थिति में 10 लाख से अधिक की सहायता अनुदान की राशि की आवश्यकता पड़ने पर मंत्रीपरिषद से स्वीकृति प्राप्त करते हुए विभाग के द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

से कम है, उन्हें मिलेगा लाभ 17 बीमारियां शामिल

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के अंतर्गत सम्मिलित किये गये रोगों की सूची

- विस्कॉट एल्टिज सिंड्रोम
- थैलेसीमिया रक्त विकृति
- बोन मैरो ट्रांसप्लांट
- आघात के बाद विकृति के मामले में प्लास्टिक सर्जरी और बर्न केस
- रेटिना अलग होना
- क्लिनियोटॉमी के साथ सिर में गंभीर चोट
- कोरोनरी धमनी की बाईपास ग्राफ्टिंग/इंटर एऑर्टिक बलून पंप
- आइसीयू के मरीज जिन्हें निरंतर गुर्दा की रिप्लेसमेंट
- थेरेपी की जरूरत पड़ती है
- प्रोलिएफेरिटिव डायबिटिक रेटिनो पैथी
- श्वासनली के ऑपरेशन में
- मेनिंगोएसेप्टोसिल सर्जरी
- मर्मज्ञ केराटोप्लास्टी
- ब्रेन हेमरेज
- चेहरे की दरारों सहित जन्मजात विकृतियां
- कॉकलीयर इम्प्लांट
- मस्कुलर डिस्टॉफी
- किशोरों को नाक में होने वाला ट्यूमर

दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद कैदी की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद कैदी संजय महतो की मौत हो गयी। बताया जाता है कि मंगलवार की रात कैदी संजय महतो की तबीयत बिगड़ने पर रिम्स ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संजय महतो के परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गयी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया जायेगा। जेल सुपरिटेण्डेंट हामिद अख्तर ने बताया कि संजय महतो नाम के कैदी की मौत हो

राशिफल	
ऑ एनके बेरा	943114351
मेघ	रोग-शोक-दु:खिताओं से सुटकारा मिलेगा, सुख-सुविधा के साथ बनेंगे।
वृष	लोकप्रियता का विस्तार, अग्रगण्य कार्य पूरा होगा, मान-रथ-प्रतिष्ठा-उत्सव-पूरस्कार की प्राप्ति।
मिथुन	युवा विदेशियों का पड़ता विफल होगा, प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचित रहयोग मिलेगा।
कर्क	भौतिक सुख-सुविधा की प्राप्ति, पारिवारिक वातावरण सुखमय होगा।
सिंह	परिस्थितियों में सुधार, रिगड़ा काम बनेगा, व्यवसाय में आशातीत लाभ।
कन्या	नयी आशाओं का उदय होगा, धैर्य व साहस से सभी कार्य पूरे होंगे।
तुला	आर्थिक संतुलन बनाये रखने में सफल होंगे, पारिवारिक दायित्व में छत्र अधिक करेंगे।
वृश्चिक	रोजी-रोजगार में तुल्य परिचयन, आर्थिक लाभ, सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा होगी।
धनु	किसी बुद्ध योजना को साकार करने में कई लोगों का साथ मिलेगा।
मकर	सांकेतिक कार्य में सफलता, विदेशियों पर विजय, सामाजिक-उपनिवेशिक संघर्ष-प्रभाव का लाभ मिलेगा।
कुंभ	परिस्थितियों में सुधार, व्यवसाय में आशातीत लाभ, सपरिवार बल-मान-सन्मान के साथ बनेंगे।
मीन	स्वाभिमान और स्वावलंबन बढ़ेगा, पर-गुरुद्वयी में सुख-शांति का वातावरण।

पूजा सिंघल की न्यायिक हिरासत 28 सितंबर तक बढ़ी

रांची। जेल में बंद आइएएस पूजा सिंघल को बुधवार को इडी कोर्ट में वॉडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। उनके साथ जेल में बंद सीए सुमन कुमार और बर्खास्त जूनियर इंजीनियर राम बिनोद प्रसाद सिन्हा को भी पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों की न्यायिक हिरासत अवधि 28 सितंबर तक बढ़ा दी है। तीनों की अगली पेशी अब अदालत में 28 सितंबर को होगी। बता दें कि पूजा सिंघल की जमानत याचिका इडी कोर्ट ने पूर्व में ही खारिज कर दी थी। प्रवर्तन निदेशालय ने इडी की अदालत में 200 पत्तों का इन तीनों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोप पत्र में बताया गया है कि चतरा, खुंटी और पलामू डीसी रहते हुए पूजा के खोते में सैलरी से 1.43 करोड़ अधिक थे। इडी ने इन तीनों जिलों में उनके डीसी के कार्यकाल के दौरान के अलग-अलग बैंक खातों व दूसरे निवेश की जानकारी जुटायी। खुंटी में मनरेगा का घोटाला फरवरी 2009 से जुलाई 2010 के बीच हुआ उस समय पूजा सिंघल वहां की डीसी थीं। इडी ने 6 मई को तत्कालीन खान सचिव पूजा सिंघल के सरकारी व निजी आवास उनके पति अधिपते झा और उनके सीए सुमन सिंह समेत 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सीए सुमन सिंह के आवास से इडी को 19.31 करोड़ रुपये गनद बरामद हुए थे। 11 मई को इडी ने पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया था और 25 मई से वह सरलाओं के पीछे है।

दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद कैदी की मौत

रांची। रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद कैदी संजय महतो की मौत हो गयी। बताया जाता है कि मंगलवार की रात कैदी संजय महतो की तबीयत बिगड़ने पर रिम्स ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संजय महतो के परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गयी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया जायेगा। जेल सुपरिटेण्डेंट हामिद अख्तर ने बताया कि संजय महतो नाम के कैदी की मौत हो

खुशी : 1932 का खतियान और ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के फैसले का स्वागत हर तरफ जश्न, मंत्री और विधायकों ने सराहा

रांची। झारखंड में सोरेन सरकार ने स्थानीयता के लिए 1932 के खतियान को आधार बनाने का फैसला ले लिया है। इसके साथ ही ओबीसी को झारखंड में 27 फीसदी आरक्षण देने के फैसले पर भी मुहर लगायी गयी। झारखंड में 1932 के खतियान को लेकर लोगों ने खुशियां मनायी है। राज्य सचिवालय के बाहर जमकर पटाखे फोड़े गये और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का गुलदस्ता देकर बड़ी संख्या में लोगों ने स्वागत किया है।

जनता से किये गये वादों को निभाने का काम किया : राजेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। कैबिनेट की बैठक में स्थानीयता की पहचान एवं नियोजन नीति निर्धारण के लिए 1932 खतियान एवं ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत की मिली स्वीकृति महागठबंधन ने चुनाव पूर्व जनता से किये गये वादों को निभाने का काम किया है। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के



अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने प्रतिक्रिया स्वरूप कही। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी अविनाश पांडेय, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं नेता विधायक दल आलमगीर आलम के प्रति आभार प्रकट किया एवं उन्हें बधाई दी है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज तक इस नाम पर

सिर्फ राजनीति होती रही है। पहली बार महागठबंधन ने इसे नीतिगत रूप से कैबिनेट में स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ओबीसी आरक्षण के प्रतिशत में वृद्धि के लिए सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन भी किया था, अब स्थानीयता की पहचान निर्धारण का मार्ग प्रशस्त होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा।

सरकार ने हर झारखंडी के सपनों को पूरा करने का प्रयास किया : चंपई

रांची (आजाद सिपाही)। मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि बधाई हो साथियों, आज हमारी सरकार ने हर झारखंडी के सपनों को पूरा करने का प्रयास किया है। कैबिनेट की बैठक में राज्य में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नियोजन नीति बनाने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसके अलावा ओबीसी को राज्य में 27 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले पर भी मुहर लगायी गयी है। हमने जो वायदा किया था वो पूरा किया।



आरक्षण पर लिये गये फैसले का स्वागत है: राजद

रांची। राष्ट्रीय जनता दल की नेत्री अनीता यादव ने बताया कि झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष कैबिनेट के द्वारा लिये गये फैसले पर खुशी जाहिर की है। क्योंकि राष्ट्रीय जनता दल मंडल आयोग और बाबा साहब के द्वारा दिये गये आरक्षण का हमेशा पक्षधर रही है। राष्ट्रीय जनता दल गरीब गुरवों की पार्टी है और संविधान का सम्मान करती है। इसलिए पार्टी बाबा साहब के द्वारा पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को दिये गये आरक्षण का समर्थन करती रही है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com



झारखंड के आदिवासी-मूलवासी के वर्षों का संघर्ष हुआ सफल: बंधु तिकी

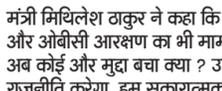
आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी ने कहा कि झारखंड के

आदिवासी-मूलवासी के वर्षों का संघर्ष सफल हुआ। कैबिनेट की बैठक में 1932 खतियान एवं ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की मिली

स्वीकृति। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं गठबंधन की सरकार का आभार है। झारखंड वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं हैं।

विपक्ष राजनीति करेगा, हम काम करेंगे: मिथिलेश ठाकुर

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि स्थानीयता का मामला भी खत्म और ओबीसी आरक्षण का भी मामला खत्म हो गया। विपक्ष के पास अब कोई और मुद्दा बचा क्या ? उन्होंने कहा कि विपक्ष नकारात्मक राजनीति करेगा, हम सकारात्मक काम करेंगे।



मंत्रि

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

झारखंडी सरकार पर गर्व है : अंबा प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। कांग्रेस की विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि कहने वाली नहीं काम करने वाली है झारखंड में गठबंधन की सरकार है। आज कैबिनेट की बैठक में राज्य में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नियोजन नीति बनाने का प्रस्ताव पारित हुआ। साथ ही हमलोगों की वर्षों की मांग ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण



को झारखंडी सरकार पर गर्व है।

सरकार ने जो वादा किया उसे पूरा किया : अनूप

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। कांग्रेस के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार के कैबिनेट के द्वारा 1932 खतियान को मंजूरी देकर के यह साबित कर दिया है कि सरकार ने जो वादे किये थे, वह हर हाल में पूरा किया। कैबिनेट के इस निर्णय पर झारखंड के तमाम जनता, मूलनिवासी, आदिवासी भाइयों को बहुत-बहुत



बधाई है।

आदिवासी-मूलवासी का संघर्ष सफल हुआ: बन्ना

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी का वर्षों पुराना संघर्ष आज सफल हुआ। कैबिनेट की बैठक में 1932 खतियान एवं ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की स्वीकृति मिली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पूरी गठबंधन सरकार का धन्यवाद। झारखंड वासियों को



बधाई एवं शुभकामनाएं हैं।

बड़े भैया ने हम झारखंडियों को पहचान दिलायी : बसंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। झामुमो विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि ऐतिहासिक निर्णय है। मंत्रिपरिषद की बैठक में हेमंत सरकार ने 1932 खतियान को लागू करने पर सहमत दी। इससे बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड दिलाया, आज बड़े भैया हेमंत सोरेन ने हम झारखंडियों को पहचान दिलाई।



वीर शहीदों और आंदोलनकारियों का सपना साकार हुआ। 1932 है झारखंडियों की पहचान बनी।

मूलवासी सदान मोर्चा की मुहिम पर मुहर: राजेंद्र प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। 1932 का खतियान लागू करने और पिछड़ी जातियों के लिए 36 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर मूलवासी सदान मोर्चा ईमानदारी पूर्वक लगातार आंदोलन और संघर्ष करते रहा था। जिसका परिणाम है कि आज झारखंडी जन भावना के सामने सरकार को भी मानना पड़ा और 1932 का खतियान लागू करने के साथ ही पिछड़ी जातियों को भी 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए विवश होना पड़ा। उक्त बातें मूलवासी सदान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व झारखंड आंदोलनकारी



राजेन्द्र प्रसाद ने कही। इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस निर्णय का स्वागत करने वालों में मोर्चा के सलाहकार क्षितिा कुमार राय मोर्चा के प्रवक्ता डॉ अनिल मिश्रा डॉ सुदेश कुमार साहू अमित साहू विशाल सिंह आदि ने भी स्वागत किया है।

वर्षों पुराना संघर्ष आज सफल हुआ : प्रदीप यादव

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी के वर्षों पुराना संघर्ष आज सफल हुआ। कैबिनेट की बैठक में 1932 खतियान एवं ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की स्वीकृति मिली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पूरी गठबंधन सरकार का धन्यवाद। झारखंड



वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं।

आदिवासी मूलवासी सामाजिक संयुक्त मोर्चा ने आभार व्यक्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। कैबिनेट ने झारखंडी भावनाओं के अनुरूप 1932 आधारित स्थानीय नीति एवं पिछड़ी जातियों के लिए 27 प्रतिशत

आरक्षण पारित किये जाने पर आदिवासी मूलवासी सामाजिक संयुक्त मोर्चा ने सीएम हेमंत सोरेन सहित राज्य के सभी मंत्रियों का आभार व्यक्त किया। शिक्षाविद् डां

करमा उरांव, आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली, अंतु तिकी, बलकू उरांव, आजम अहमद, विभव नाथ शहदेव, धर्म दवाल साहू, शिवा कच्छप, प्रेम शाही

मुंडा, सुनील सिंह, शिव शंकर महतो, नोशाद खान, शिव प्रसाद साहू, अकील उर रहमान व अन्य ने भी हेमंत सरकार का आभार व्यक्त किया है।

विस में अनियमितता की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन

झारखंड विधानसभा सचिवालय नियुक्ति प्रोन्नति अनियमितता की जांच के लिए एक सदस्यीय आयोग ने जो रिपोर्ट दी है, उसके कुछ बिंदुओं के समाधान के लिए एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस एस के मुखोपाध्याय इसपर रिपोर्ट देंगे।



कैबिनेट के अन्य फैसले

- आंगनबाड़ी केंद्र और लघु आंगनबाड़ी केंद्रों में बर्तनी खरीदने के लिए 6000 प्रतिवर्ष राशि प्रति आंगनबाड़ी खर्च किया जाएगा।
- 86 प्रखंडों में प्रखंड कार्यालय भवन निर्माण के लिए 468 करोड़ रुपये खर्च होंगे।
- झारखंड में जमीन और पलैट की खरीद-बिक्री में 2% स्टॉप शुल्क बढ़ा। अब जमीन और पलैट का रजिस्ट्रेशन शुल्क कुल 9% होगा।
- झारखंड वित्त विधेयक- 2022 के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी।
- कोल्हान विश्वविद्यालय अंतर्गत डिग्री महाविद्यालय (जुगसालय) में प्राचार्य समेत 29 अध्यापकों के पद सृजित।
- बिनोवा भावे विश्वविद्यालय अंतर्गत 5 नव डिग्री विश्वविद्यालय में प्राचार्य समेत 145 अध्यापकों के

- पद सृजित।
- मंत्रियों के लिए खरीदे जाएंगे स्कॉट वाहन, चार करोड़ रुपये होंगे खर्च।
- स्कूलों में बच्चों को अब 5 दिन मिलेगा अंडा।
- झारखंड सरकार अब सभी बाजार समितियों में अध्यक्ष भी मनोनीत करेगी।
- धनवाद में अंतर राज्यीय बस पड़ाव के लिए 48.11 करोड़ रुपये स्वीकृत।
- झारखंड लोकसेवा आयोग की अध्यक्ष मंत्री नीलिमा केरकेड़ा के प्रस्ताव पर मुहर।
- झारखंड इलेक्ट्रिक वाहन नीति को हेमंत सोरेन सरकार ने स्वीकृति दे दी है।
- इटकी में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के लिए 150 एकड़ जमीन दिया जायेगा।

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। झारखंड सरकार ने कैबिनेट में ओबीसी समुदाय का 27 परसेंट आरक्षण का प्रस्ताव पारित किया है। इसके लिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री बन्ना गुप्ता, जगरनाथ महतो, हफिजुल हसन अंसारी सहित सभी मंत्रियों को बधाई देता है। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ओबीसी को झारखंड में आरक्षण बढ़ाने की लंबी लड़ाई लड़ी थी एनडीए कार्यकाल के साथ-साथ यूपी सरकार के कार्यकाल में भी राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा सड़कों पर उतर कर आंदोलन किया उसी का परिणति है कि ओबीसी को 27 परसेंट आरक्षण का प्रस्ताव पास हुए हैं। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा महागठबंधन की सरकार के द्वारा ओबीसी का आरक्षण 27 परसेंट



के प्रस्ताव को पारित करने का स्वागत करता है ऐसे राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा का मांग राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुरंसा को लागू करने की थी जिस की लड़ाई आगे जारी रहेगी। सदन के अंदर और बाहर 27 परसेंट ओबीसी आरक्षण की लड़ाई लड़ने वाले विधायक अंबा प्रसाद, प्रदीप यादव, दीपिका पांडे, अमित मंडल, नवीन जयसवाल, उमाशंकर अकेला को हार्दिक बधाई और आभार है।



ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल रांची में हिंदी दिवस का आयोजन



रांची (आजाद सिपाही)। प्रगति पथ रांची स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की फेकेडमिक डायरेक्टर डॉ सिमी मेहता और उप प्राचार्य के आर झा ने समस्त विद्यालय परिवार को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और हिन्दी भाषा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर हिन्दी के प्रचार प्रसार में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा अत्यंत ही वैज्ञानिक भाषा है और इसका साहित्य भी अत्यंत समृद्ध है तथा हिन्दी विश्व भाषा बनने की भी अधिकारिणी है। आइए हम सभी हिन्दी की समृद्धि के लिए तन-मन-धन से समर्पित होकर देशहित और लोकहित में कार्य करें। इस अवसर पर हिन्दी के शिक्षक, शिक्षिकाएं सुरेन्द्र प्रसाद, विष्णु अहिर, डी डी मिश्रा, वंदना दास, मंजुश्री और शिम्पी कुमारी के साथ साथ छात्र, छात्राएं उपस्थित थे।

‘मातृभाषा हिंदी के बिना हिंदुस्तान अधूरा’



रांची (आजाद सिपाही)। हिंदी भाषा के प्रचार, प्रसार और उसके उपयोग के प्रोत्साहन के लिए विद्या विकास पब्लिक स्कूल रांची के बच्चों ने अर्धवार्षिक परीक्षा के बीच से भी समय

निकाला और इस दिवस को यादगार बनाने के लिए विद्यालय के प्रांगण में विशेष हस्तारंभना सभा का आयोजन किया। इसमें वर्ग नर्सरी से लेकर बारहवीं तक के सभी बच्चे शामिल हुए। हिंदी दिवस के इस मौके पर बच्चों ने कविता वाचन, भाषण, सामूहिक गीत एवं कई रोचक गतिविधियां प्रस्तुत कीं। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ मनीषा तिवारी ने बच्चों में शुद्ध उच्चारण के लिए अभ्यासरत रहने की बात कही। उन्होंने हिंदी की विशेषताओं और उसकी महत्ता को बरकरार रखने की भी बात कही।

आइएसएम पुंदाग में हिंदी दिवस मनाया



रांची (आजाद सिपाही)। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ गंगा प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी सभी भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ भाषा है। उन्होंने कहा कि सभी

क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग गौरवान्वित होकर करना चाहिए। उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत कर समझाया कि किस तरह हिंदी शब्द सभी भाषाओं में उपयोग होता है। जब हम अंग्रेजी में मैनेजमेंट बोलते हैं तो हिंदी शब्द म,न,ज,और ट का उपयोग करते हैं। इसलिए हिंदी बोलने वाले अपने आप में हीन भावना नहीं लाये। इस अवसर पर हिंदी वाद विवाद और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित छात्र छात्राओं ने बड़ चढ़ भाग लिया। स्वर्ण सुतापा, जयकुश, मंदीप, शंकर कुमार दयाल, पवन कुमार, नेहा,प्राची, मुकेश, मनीष, गौरव,पुष्पा रानी, आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर बिजनेस मैनेजमेंट के सहायक प्रोफेसर अनिमेष सरकार और होटल मैनेजमेंट के आर एन भंजदेव ने अपने संबोधन में हिंदी के महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंच संचालन एम बीए ए के छात्रा मिस शबनम टोप्पो ने किया। इस अवसर पर संस्थान के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी और बिजनेस मैनेजमेंट और होटल मैनेजमेंट के छात्र छात्रा उपस्थित थे।

जंतु विज्ञान विभाग में व्याख्यान का आयोजन



रांची (आजाद सिपाही)। डा. शयमा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग में विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता थे अवकाश प्राप्त उपनिदेशक, आशीष कुमार। इन्होंने झारखण्ड में मत्स्य पालन के क्षेत्र में

उपलब्ध रोजगार और संभावनाओं के विषय पर विशेष चर्चा की। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। तपन कुमार शाहिल्य ने कहा कि वर्तमान में अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए मत्स्य पालन पर फोकस करना अत्यंत लाभदायक है। विषय प्रवेश जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा।0 नमिता लाल ने किया, धन्यवाद ज्ञापन खातिर महबूब खान ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा।0 नमिता सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मौके पर डॉ।एस।0 डब्ल्यू प्रो। अनिल कुमार, डा।0 जी।0 सी।0 बास्के, डा।0 सजलनेन्द्र घोष सहित विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पूर्व तट रेलवे में राजभाषा पखवाड़ा का उद्घाटन



भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। दिनांक-14.09.2022 को राजभाषा विभाग/मुख्यालय द्वारा को राजभाषा पखवाड़ा उद्घाटन समारोह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। हिंदी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह महाप्रबंधक श्री शरद कुमार श्रीवास्तव महोदय ,मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रवि शंकर मित्रा तथा पूर्व तट रेलवे के सभी विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना द्वारा की गई। समारोह में महाप्रबंधक/पूर्व तट रेलवे महोदय द्वारा राजभाषा शपथ ली गई एवं माननीय रेल मंत्री के संदेश का पाठ किया गया जिसका सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा साथ-साथ दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य राजभाषा अधिकारी महोदय ने अपने संबोधन में हिंदी दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला एवं हिंदी के महत्ता के बारे में चर्चा की। अपने आशीर्वाचन के माध्यम से महाप्रबंधक महोदय ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर रेल कवियों द्वारा हिंदी कविता का सस्वर वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समाप्ति राजभाषा अधिकारी/मुख्यालय यलीना पंडा द्वारा किया गया।

कुड़मी जाति को भी एसटी सूची में शामिल करें : शैलेंद्र महतो

रांची (आजाद सिपाही)। कुड़मी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा 1932 खानितीयां और 27 प्रतिशत आरक्षण कैबिनेट से पास किया गया। इसके लिए झारखंड सरकार का आभार प्रकट करता हूं। साथ में यह मांग करता हूं। उन्होंने कहा कि झामुमो पार्टी के घोषणा पत्र में कुड़मी जाति को एसटी सूची में शामिल करने का वादा किया था। मांग करता हूं कि कुड़मी जाति को भी एसटी सूची में शामिल किया जाये।

कर्बला चौक से डंगराटोली तक चला अतिक्रमण मुक्त अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम की इंफोसमेंट टीम और ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को कर्बला चौक से बहू बाजार होते हुए डंगराटोली चौक तक अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान अतिक्रमण कर सड़क पर दुकान लगाने वालों के सामान जब्त किये गये। नो पार्किंग में गाड़ी लगाने वालों से जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान इंफोसमेंट टीम ने

जिला प्रशासन के सहयोग से चलाया जा रहा अभियान

निगम के पदाधिकारी ने बताया कि रूट डायवर्जन के बाद भी अतिक्रमण के कारण सड़क पर जाम लग रहा है। सड़क के किनारे दुकानदारों द्वारा सामान बाहर निकालकर व्यवसाय किया जा रहा है, जिससे यातायात बाधित होता है। इसके लेकर जिला प्रशासन के सहयोग से अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

17000 रुपये जुर्माना वसूला। पिछले कुछ दिनों से रांची नगर निगम की इंफोसमेंट टीम अतिक्रमण मुक्त अभियान चला रही है। कांटा टोली फ्लाइटओवर निर्माण के कारण रूट डायवर्जन बहू बाजार चौक से कर्बला चौक होते हुए न्यूविलयस मॉल तक किया गया है। अतिक्रमण के कारण इस रूट में वाहनों की आवाजाही में परेशानी हो रही थी।

पूजा पंडालों को निर्बाध बिजली पहुंचायें: जीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेबीवीएनएल रांची के जीएम पीके श्रीवास्तव ने रांची में होने वाले दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर बुधवार को रांची जिला दुर्गापूजा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने इस मौके पर अपने इंजीनियरों को कई दिशा-निर्देश जारी किया। कहा कि सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से पंडालों

के समीप एलटी तारों को एलटी केबल से बदलने, एलटी तार में गार्ड वायर या सेपरटर लगाने की जरूरत है, उसे पूरा करें। पूजा पंडाल के समीप ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने की जरूरत हो तो उसे अगले दस दिनों में पूरा कर लिया जाये। किसी भी परिस्थिति से निबटने और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने

कहा कि रांची में दुर्गापूजा के सफल आयोजन में बिजली आपूर्ति की अहम भूमिका रहती है। पूजा में किसी भी तरह की बाधा न हो। पूजा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति हो सके, इसकी तैयारी में जुटने का निर्देश अपने अफसरों को दिया। उन्होंने सहायक और कनीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे अपने अपने क्षेत्र

पारा शिक्षकों के समायोजन के मामले की सुनवाई 17 अक्टूबर को

रांची (आजाद सिपाही)। डेट परीक्षा पास पारा शिक्षकों के समायोजन के मामले की सुनवाई बुधवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को निर्देश दिया कि इस मामले में सरकार कोई शपथ पत्र दखिल करना चाहती है तो 17 अक्टूबर से पहले दखिल कर सकती है। मामले की अगली सुनवाई 17 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। प्रार्थी को ओर से कहा गया है कि वे पारा शिक्षक के पद पर 15 वर्ष से अधिक समय से काम कर रहे हैं। साथ ही वे शिक्षक पद की अर्हता पूरी करते हैं। राज्य सरकार उनकी सेवा को स्थाई करे और उन्हें सहायक शिक्षक के पद पर समायोजित किया जाये।

दूरसंचार सलाहकार समिति की संयुक्त बैठक आयोजित



रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय रांची स्थित सभागार में रांची व्यापार क्षेत्र के दूरसंचार सलाहकार समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। दूरसंचार सलाहकार

समिति की यह बैठक सांसद विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में, सांसद सुनील कुमार सिंह, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, महुआ मांझी, और बीएसएनएल रांची व्यापार क्षेत्र के महाप्रबंधक उमेश प्रशाद साह की उपस्थिति में सम्पन्न की गयी। महाप्रबंधक उमेश प्रशाद साह ने समिति के सदस्यों को बीएसएनएल रांची व्यापार क्षेत्र में दी जा रही दूरसंचार सेवाओं के बारे में, पिछले वर्ष की उपलब्धियों, वर्तमान की योजनाओं एवं चुनौतियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। बैठक में समिति के सदस्यों ने दूरसंचार सेवाओं में बेहतरी के लिए अपने अपने सुझाव दिये।। वहीं सांसदों ने संयुक्त रूप से कहा की बीएसएनएल से बहुत अपेक्षाएं हैं। इसके राजस्व में हो रही उतारोतर वृद्धि एक बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए उन्होंने बीएसएनएल के कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाये दीं। सांसदों ने बीएसएनएल सेवाओं में बेहतरी के लिए अन्य विभागों के साथ मिलकर सामंजस्य के साथ कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने बीएसएनएल की वर्तमान चुनौतियों संबंधित मुद्दा भारत सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन भी दिया। बैठक में दूरसंचार विभाग के उप महा निदेशक रमेश चंद्रा ने भारत सरकार की दूरसंचार के क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। बैठक का संचालन उपमंडल अभियंता अजय कुमार ने किया। इस बैठक में बीएसएनएल रांची ,हजारीबाग और डाल्टनगंज दूरसंचार जिला के अधिकारियों के आलावा दूरसंचार सलाहकार समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

लिटिल विंग्स स्कूल ने टॉय बैंक में टॉय डोनेट किया



रांची (आजाद सिपाही)। बूटी मोड़ स्थित लिटिल विंग्स स्कूल के बच्चों द्वारा सांसद संजय सेट द्वारा टॉय बैंक में टॉय डोनेट किया गया। यह सभी टॉयज उन अंडर प्रिविलेज बच्चों तथा अनाथाश्रम के बच्चों को दिया

जाएगा जो इनसे वंचित है। लिटिल विंग्स स्कूल के बच्चों ने स्वयं आगे आकर अपना प्रिय खिलौना टॉय बैंक के कोडिनेटर धनन्जय कुमार को सौंपा। विद्यालय निदेशक रमेश कुमार और प्राचार्या नीता सिंह ने बच्चों के इस शैर्यंग हैबिट की प्रशंसा की तथा माननीय सांसद के इस पहल की सराहना की। साथ ही धनन्जय कुमार को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

मेकॉन लिमिटेड में आज दिनांक 14 सितंबर, 2022 को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन



रांची (आजाद सिपाही)। मेकॉन लिमिटेड में बुधवार को हिंदी दिवस मनाया गया साथ ही हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, सलिल कुमार ने अधिकारियों

और कर्मचारियों को सकल्य दिलाया। निदेशक (वित्त), आरएच.जुनेजा ने हिंदी के प्रति सजकता बढ़ाने के लिए प्रतिज्ञा करवाया, निदेशक (वाणिज्यिक) सुनिल कुमार वर्मा, निदेशक (तकनीकी), और मुख्य सतर्कता अधिकारी यूके केडिया ने मंत्रियों का संदेश पढ़ा और लोगों से ज्यादा से ज्यादा काम हिंदी में करने की अपील की। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ महाप्रबंधकगण एवं अनुभागी प्रभारीगण कार्यक्रम में उपस्थित थे। अन्य ऑफिस के लोग ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़े। वृत्त चित्र का विमोचन। राजभाषा विभाग द्वारा आंतरिक वृत्त चित्र का विमोचन किया गया। इस फिचम के माध्यम से हिंदी के प्रति मेकॉन के योगदान को दर्शाया गया, साथ ही इसकी महत्ता की जानकारी दी गई। फिचम के जरिये सभागार में मौजूद सभी को हिंदी में काम के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन : २९ सितंबर तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े के दौरान कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। इसमें कविता पठ, तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन शामिल है। पखवाड़े के अंतिम दिन विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा।

साई नाथ विश्वविद्यालय रांची में हिंदी दिवस का आयोजन



रांची (आजाद सिपाही)। बुवार को साई नाथ विश्वविद्यालय के बहुदृशरीय हॉल में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विद्यवासीनी नंदन पांडेय का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एसपी. अग्रवाल ने पुष्प गुच्छ, शॉल एवं स्मृति किह भेंट कर सम्मानित किया। तत्पश्चात संयुक्त रूप से सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति - प्रो. (डॉ.) एसपी. अग्रवाल ने मुख्य अतिथि अतिथि का परिचय कराते हुये हिंदी भाषा के महत्त्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला और कहा कि त्वरित प्रगति के लिये सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी का राष्ट्रीय परिदृश्य में सर्वाधिक प्रयोग लाये जाने की जरूरत है। पुनः मुख्य अतिथि डॉ. विद्यवासीनी नंदन पांडेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए हिंदी संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डाला और हिंदी भाषा के अध्ययन में अभिरुचि रखने वाले विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया साथ ही उन्होंने राजभाषा हिंदी को राष्ट्रीय एकता की सूत्र भाषा कहा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी अंकाक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और प्रथम एवं द्वितीय आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी दिवस में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ. दीपक शुक्ल, डीन एकेडमिक डॉ. शिवागुरुनाथन एन., शिक्षा विभाग की डीन डॉ. शीला सिंह, विभाग के प्राचार्य - डॉ. के.सी. प्रसाद, विभागाध्यक्ष प्रो. पूरूम बाला के अलावे सभी विभागों के छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

बालू घाटों की बंदोबस्ती का रास्ता साफ

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में बालू क्लिंटल के बीच एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने राज्य में बालू घाटों की बंदोबस्ती पर लगी रोक हटा दी है। झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती पर रोक लगाने की मांग को लेकर दखिल की गयी याचिका पर एनजीटी ने अपना फैसला सुना दिया है। बता दें कि 25 अगस्त को इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद ट्रिब्यूनल ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले एनजीटी ने राज्य में बालू की बंदोबस्ती पर स्थगन का आदेश दिया था जिसके कारण झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं हो पा रही थी। लेकिन ट्रिब्यूनल का आदेश आने के बाद अब झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक बंदोबस्ती की प्रक्रिया की जाये, इसके साथ ही (डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट) का भी पालन किया जाये। बता दें कि जेएसएमडीसी ने झारखंड के बालू घाटों की बंदोबस्ती की प्रक्रिया शुरू करते हुए निविदा जारी की थी। जिसके खिलाफ भूमि अधिग्रहण, विस्थापन एवं पुनर्वास समिति की ओर से एनजीटी में याचिका दायिल की गयी थी। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिकाारी सचिन कुमार और अधिवक्ता मनोज कुमार ने ट्रिब्यूनल में पक्ष रखा है। वहीं भूमि अधिग्रहण, विस्थापन एवं पुनर्वास समिति की ओर से अधिवक्ता प्रशांती बनर्जी ने बहस की।

भाजपा झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी से मिला प्रतिनिधिमंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नव नियुक्त झारखंड भाजपा प्रभारी सह राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी से झारखंड भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मिला और उन्हें बधाई दी।



प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वरिष्ठ भाजपा सह मजदूर नेता सुमन सिंह कर रहे थे। इनके साथ वतन महतो (बोकारो), गुरुदेव

झारखंड के मेडिकल कॉलेजों में 100 सीटें बढ़ाने की तैयारी

16 राज्यों में एमबीबीएस की 3495 सीटें बढ़ायी जायेंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। यूजी नीट 2022 में सफल विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए इस वर्ष देश के 16 राज्यों में एमबीबीएस की 3495 सीटें बढ़ाने की तैयारी है। सबसे ज्यादा 700 सीटें राजस्थान और 600 मध्यप्रदेश में बढ़ायी जायेंगी। यह सीटें पुराने मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी।

राज्य और सीटें	राजस्थान में 700	मध्य प्रदेश में 600	कर्नाटक में 550	तमिलनाडु में 345	गुजरात में 270	ओडिशा में 200	आंध्र प्रदेश में 150	महाराष्ट्र में 150	झारखंड में 100	पंजाब में 100	पश्चिम बंगाल में 100	जम्मू कश्मीर में 60	मणिपुर में 50	यूपी में 50
----------------	------------------	---------------------	-----------------	------------------	----------------	---------------	----------------------	--------------------	----------------	---------------	----------------------	---------------------	---------------	-------------

अपग्रेड किया जायेगा। इसके तहत ही एमबीबीएस की सीटें बढ़ायी जा रही हैं। इसके अलावा राज्य मेडिकल कॉलेजों को अपग्रेड करने की तैयारी है। मेडिकल पीजी सीट के साथ नये पीजी विषय भी शुरू होंगे।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कितनी हैं सीटें

झारखंड के सात सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 680 सीटें हैं जबकि दो निजी कॉलेजों में 250 सीटें हैं। बिहार के 12 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 1515 सीटें हैं जबकि आठ निजी कॉलेज में 900 सीटें हैं।

अभिलाष साहू ने सरकार का आभार व्यक्त किया

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन अभिलाष साहू ने महागठबंधन सरकार ने बुधवार को कैबिनेट में राज्य के ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव पर मुहर लगाये जाने पर सीएम हेमंत सोरेन, प्रभारी अविनाश पांडे, ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैटन अजय सिंह यादव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश जकुंर, कांग्रेस विभागीय दल नेता आलमगीर आलम का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने चुनाव पूर्व जनता से किये गये वायदों को निभाने का काम किया। यह फैसला झारखंड वासियों के लिए ऐतिहासिक है।

झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पलटवार किया

सोरेन परिवार की संपत्तियों के बारे में बोलने से पहले बाबूलाल को अपनी संपत्ति के बारे में भी बताना चाहिए: सुप्रियो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के द्वारा हेमंत सोरेन और सोरेन परिवार पर 108 बेनामी संपत्ति अर्जित करने के आरोप का झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन और सोरेन परिवार की संपत्तियों के बारे में बोलने से पहले बाबूलाल मरांडी को अपनी संपत्तियों के बारे में भी बताना चाहिए। उनके पास कहां-कहां बेनामी संपत्ति है। झामुमो के



जन्मकुंडली है और समय आने पर उसे उजागर किया जायेगा। सुप्रियो बुधवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुन्जो के पास करोड़ों आदिवासी मूलवासी और अल्पसंख्यकों का आशीर्वाद प्राप्त है। उन पर आरोप लगाने से सोरेन परिवार का कुछ नहीं होनेवाला है। उन्होंने कहा कि सोरेन परिवार पर आरोप लगाने वाले बाबूलाल के पास कौन सा दस्तावेज है और उसका माध्यम

क्या है। इस खेल में बाबूलाल मात्र घुतराष्ट्र है, जबकि संजय कोई और है। बाबूलाल संजय की नजर से देख रहे हैं। श्री भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल के आरोप के मुताबिक शिवू सोरेन को यदि 75 संपत्तियों का हस्तांतरण नहीं हुआ तो हम लोग बाबूलाल मरांडी की संपत्तियों को खोज-खोज कर अपने नाम पर करेंगे। सीबीआइ को बताना होगा कि बाबूलाल के पास कौन सा कागजात है।



विवेक की बलि

यह समझना मुश्किल होता जा रहा है कि लोगों में असहनशीलता और हिंसा की प्रवृत्ति इतनी कैसे बढ़ रही है कि जिन मामलों में उन्हें कानून की मदद लेनी चाहिए, उनका निपटारा भी वे खुद करने लगते हैं और इसका नतीजा अक्सर किसी की मौत के रूप में सामने आता है। दिल्ली में जिस तरह एक व्यक्ति को मोबाइल फोन चोरी करने के आरोप में कुछ लोगों ने पीट-पीट कर मार डाला, वह इसका ताजा उदाहरण है। बताया जा रहा है कि जिस युवक को पीट-पीट कर मार डाला गया, वह रात को एक कारखाने में घुसा और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। उसे चोरी करते वहां उपस्थित एक व्यक्ति ने देख लिया और उसे पकड़ कर कुछ लोगों के साथ मिल कर पीटना शुरू कर दिया। पहले उसके बाल काटे और फिर इतना पीटा कि उसने वहीं दम तोड़ दिया। उसके शव को सड़क कर फेंक दिया गया। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपियों का पता लगाया। हालांकि हमारे समाज में यह आम प्रवृत्ति है कि किसी चोर के पकड़े जाने पर लोग खुद उसे पीट-पीट कर सजा देने का प्रयास करते हैं। मगर दिल्ली में हुई घटना लोगों में जड़ें जमा चुकी हिंसा का परिचायक है। अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जब लोग मामूली बात पर कहा-सुनी होने या छोटी-मोटी आपराधिक घटनाओं पर भी खुद इस्पाफ करने की नीयत से हिंसा का सहारा लेते हैं। ऐसी भी अनेक घटनाएं देखी गई हैं, जब किसी की हत्या करके अपराध के बजाय कई लोग गर्व का अनुभव करते हैं। मानो किसी की जान ले लेना अब खेल होता गया है। इसका क्या अर्थ लगाया जाना चाहिए? क्या लोगों में पुलिस और न्याय

उन्मादी तत्व समाज को सुधारने के नाम पर हिंसा को हथियार के रूप में इस्तेमाल करते देखे जाने लगे हैं।

व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हुआ है? क्या अब लोगों में इतना भी विवेक नहीं रहा कि चोरी, जेबकतरी जैसी आपराधिक घटनाओं की शिकायत पुलिस को करनी चाहिए और दंड तय करने का काम न्यायपालिका पर छोड़ देना चाहिए। किसी की जान ले लेने से भला कहा अपराध पर लगाया जाता है। किसी को सबक सिखाने का यह तरीका तो नहीं हो सकता कि उसे जान से ही मार डाला जाए। कैसे हमारे समाज से यह समझ और मानवीय तकाजा खत्म होता जा रहा है। हालांकि संबंधित मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपियों की पहचान कर ली है और उन्हें इस तरह कानून को हाथ में लेने की सजा भी मिलने की उम्मीद है। मगर क्या इस तरह समाज की संवेदनशीलता लौटाई जा सकती है। समाज में बने हिंसक मानस की कुछ वजहें तो समझी जा सकती हैं। पिछले कुछ सालों से जिस तरह उन्मादी तत्व समाज को सुधारने के नाम पर हिंसा को हथियार के रूप में इस्तेमाल करते देखे जाने लगे हैं। सामुदायिक वैमनस्यता को बढ़ावा देते हैं। इस तरह अपने ही बीच रहने वाले बहुत सारे लोगों को कई लोग शक की नजर से देखने लगे हैं। तमाम संचार माध्यमों पर अपराध और हिंसा को आम घटना की तरह परोसा जाने लगा है। अपराधियों को समाज के कई लोग सम्मानित करते हैं, उन सबसे हमारे सामाजिक मूल्यों को हानि आघात लग रहा है। उन मूल्यों की स्थापना कैसे हो, यह बड़ी चिंता का विषय है। स्कूलों में नैतिक शिक्षा का पाठ तो पढ़ाया जाता है, मगर समाज के अनुआ अपने आचरण से जब तक उन मूल्यों को स्थापित नहीं करेगी, हिंसक वृत्ति का उन्मूलन कठिन बना रहेगा।



सुखदेव वशिष्ठ

नोएडा की कंपनी सुपरटेक ने 2000 के दशक के मध्य में एमरल्ड कोर्ट नामक इमारत बनाने की परियोजना नोएडा और ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के समीप शुरू की। न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत योजनाओं के अनुसार, इस परियोजना में 14 नौ मंजिला टावर होने चाहिए थे। लेकिन कंपनी ने प्लान में बदलाव किया और साल 2012 तक परिसर में 14 के बजाय 15 टावर 11 मंजिला बना दिये। इस योजना के अलावा एक और योजना शुरू कर दी जिसमें दो और टावर बनने थे, जिन्हें 40 मंजिला बनाने की प्लानिंग थी। ऐसे में कंपनी और स्थानीय लोगों के बीच कानूनी लड़ाई शुरू हो गयी। सुपरटेक ने टावर बनने के सामने 'ग्रीन' एरिया बनाने का वादा किया था। दिसंबर 2006 तक अदालत में प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के अनुसार, यह उस योजना में था, जिसे पहली बार जून 2005 में संशोधित किया गया था। हालांकि, बाद में 'ग्रीन' एरिया वह जमीन बन गया जिस पर सियेन और एपेक्स - टिवन टावर्स बनाए जाने थे। भवन योजनाओं का तीसरा संशोधन मार्च 2012 में हुआ। एमरल्ड कोर्ट अब एक परियोजना थी, जिसमें 11 मंजिलों के 15 टावर शामिल थे। साथ ही सियेन और एपेक्स की ऊंचाई 24 मंजिलों से 40 मंजिलों तक बढ़ा दी गयी थी। एमरल्ड कोर्ट में रहने वालों ने संज्ञान लिया और मांग की कि सियेन और एपेक्स को ध्वस्त कर दिया जाये, क्योंकि इसे अवैध रूप से बनाया जा रहा है। निवासियों ने नोएडा प्राधिकरण से उनके निर्माण के लिए दी गयी मंजूरी को रद्द

ज्यादातर केस में शिकायतकर्ता के शिकायत करते ही अवैध निर्माण पूरा हो जाता है।

करने के लिए कहा। निवासियों ने तब इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील की, जिस पर अदालत ने अप्रैल 2014 में टावरों को ध्वस्त करने का आदेश दिया। हालांकि, सुपरटेक ने फैसले के खिलाफ अपील की और मामला सुप्रीम



अब तक यह धारणा आम जनमानस के मन में घर कर चुकी थी कि अवैध निर्माण पूरा होने पर अब कुछ नहीं होगा। स्थानीय निकाय संस्थाओं के विशेष कर बिल्डिंग विभाग में बढ़त भ्रष्टाचार भी इसका एक कारण है। समाज में घूम रहे दलालों और निर्माण रोकने वाले अधिकारियों में शामिल काली भेड़ों के माफिया से त्रस्त जनमानस इस निर्णय से उत्साहित हुआ है।

कोर्ट तक पहुंच गया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में, टिवन टावर्स को ध्वस्त करने का आदेश दिया। सुपरटेक की समीक्षा करने की अपील पर भी शीर्ष अदालत ने अपना फैसला नहीं बदला। अब दिल्ली के कुतुब मीनार से भी ऊंची

कोर्ट तक पहुंच गया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में, टिवन टावर्स को ध्वस्त करने का आदेश दिया। सुपरटेक की समीक्षा करने की अपील पर भी शीर्ष अदालत ने अपना फैसला नहीं बदला। अब दिल्ली के कुतुब मीनार से भी ऊंची

100 मीटर की इन इमारतों को 37,00 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक के इस्तेमाल से गिरा दिया गया है।

टिवन टावर में 711 लोगों ने फ्लैट्स खरीदे थे, इसमें से 652 लोगों के साथ सेटलमेंट कर लिया गया है, जबकि 59

ग्राहकों को अभी तक रिफंड नहीं मिल सका है।

नोएडा के टिवन टावर से जो मलबा फैला है वह तो करीब 3 महीने में साफ हो जायेगा। वहीं धूल से उठे प्रदूषण को कम करने के लिए प्रशासन ने लगातार पानी का छिड़काव किया, क्योंकि एक्सपर्ट की राय थी कि इस धुएं का असर आसपास के इलाकों में करीब 12 दिनों तक रह सकता है। यह मलबा और उससे उठा धुआं भू-माफिया और अवैध निर्माण के लिये निरंतर संघर्षशील रहने वाले समाजसेवी और मीडियाकर्मियों को गहरा संदेश देकर गया है। अब अवैध निर्माण के खिलाफ संघर्षशील लोगों में कार्यवाही होने की आशा का संचार हुआ है। अब तक यह धारणा आम जनमानस के मन में घर कर चुकी थी कि अवैध निर्माण पूरा होने पर अब कुछ नहीं होगा। स्थानीय निकाय संस्थाओं के विशेष कर बिल्डिंग विभाग में बढ़त भ्रष्टाचार भी इसका एक कारण है। समाज में घूम रहे दलालों और निर्माण रोकने वाले अधिकारियों में शामिल काली भेड़ों के माफिया से त्रस्त जनमानस इस निर्णय से उत्साहित हुआ है। ज्यादातर केस में शिकायत कर्ता के शिकायत करते करते ही अवैध निर्माण पूरा हो जाता है। निश्चित ही अवैध निर्माण को विभिन्न प्रलोभनों में शह देने वालों की जड़ें बहुत गहरी हैं।

वर्तमान में हो रही धन वर्षा देश के विकास के लिए है, किसी अधिकारी या राजनेता के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं। जिस प्रकार कोरोना के मुश्किल दौर में पूरा देश एक होकर खड़ा हुआ और बाकी सब देशों के मुकाबले मजबूत स्थिति में खड़ा हुआ, इसी प्रकार सभी को भ्रष्टाचार रूपी इस बीमारी के विरोध में अपनी अने वाली पीढ़ी के हित में खड़ा होना ही होगा। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय निश्चित ही अवैध निर्माण के विरोध में संघर्षशील बंधुओं केलिये आशा का संचार कर रहा है।

जमशेदपुर की खबरें

रेड क्रॉस सोसाइटी ने टीबी मरीजों को प्रदान किया पोषण सहयोग

रक्तदान शिविर में 104 यूनिट रक्त संग्रह

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बुधवार को दूसरे महीने पुनः टीबी मरीजों को पोषण सहयोग प्रदान किया गया। इस महीने पोषण सहयोग रेड क्रॉस सोसाइटी के पेट्रन दिलीप गोयल एवं उनके परिवार द्वारा प्रदान किया गया, जिले की उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम विजया जाधव के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन तथा रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार पर रक्तदान शिविर का आयोजन संचालन में आज सभी टीबी मरीजों को एक महीने का राशन तथा विटामिन टेब्लेट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अंकित गोयल,



सुमेधा गोयल, रोटेरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी की अध्यक्ष निकिता मेहता, मंजू भामरा तथा जिला नियंत्रण विभाग के पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। दूसरी ओर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम तथा रोटेरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी के सहयोग से रेड क्रॉस के पेट्रन दिलीप गोयल के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 104 रक्तदाताओं ने आज यहां रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन रोटेरी क्लब ऑफ जमशेदपुर

स्टील सिटी की अध्यक्ष निकिता मेहता, रोटेरियन मंजू भामरा, शिविर संयोजक अंकित गोयल तथा सुमेधा गोयल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी रक्तदाताओं को रक्तदान प्रोत्साहन टी शर्ट प्रदान किया गया। शिविर के सफल बनाने में रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकर्ताओं तथा जमशेदपुर ब्लड बैंक की टीम ने महत्वपूर्ण योगदान किया।

भारत जोड़ो यात्रा को बूथ स्तर तक करने के लिए किया गया मंथन



चाईबासा (आजाद सिपाही)। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कांग्रेस भवन में माननीय सांसद सह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा एवं कार्यकारी जिला अध्यक्ष अंबर राय चौधरी की उपस्थिति में बैठक की गई। कार्यक्रम को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार प्रत्येक बूथ स्तर पर किया जाना निर्देशित है, इसी संदर्भ में बुधवार को बैठक कर जिला, प्रखंड पंचायत एवं बूथ स्तर पर कार्यक्रम भारत जोड़ो पदयात्रा किया जाना सुनिश्चित किया गया एवं विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों का कार्यक्रम हेतु मंथन कर मनोनयन किया गया। भारत जोड़ो यात्रा के लिए सबसे पहले जिला स्तर पर एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की बात कही गई। पूरे पश्चिमी सिंहभूम जिले में जहां कहीं भी पदयात्रा कार्यक्रम होगा उसकी सूचना प्रदेश कार्यालय को दी जायेगी। मनोनीत सदस्यों में नियंत्रण कक्ष के सदस्य नितिमा बारी बोदरा, जंग बहादुर, अशरफुल होद, त्रिशानु राय, कमल लाल राम, मो.सलीम, राकेश कुमार सिंह, रंजीत यादव, ललित कुमार कर्ण, राजेन्द्र कच्छप, संतोष सिन्हा को बनाया गया है। बैठक में दिवू सावैया, राज कुमार रजक, जितेंद्र ओझा, चंद्रशेखर दास, जितेंद्र गोप, मुकेश सहित अन्य उपस्थित थे।

रेलवे लाइन पर 17 वर्षीय गणेश पूर्ति का शव मिलने के मामले में परिजनों ने की जांच की मांग

जो भी मामला है वह स्पष्ट होना चाहिए, हत्या या आत्महत्या जांच का विषय है : दुलाल गुड़यां

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विगत दिनों रात्रि लगभग 10:00 बजे गदड़ा दुर्गा मंदिर के पीछे रेलवे लाइन पर जेएमएम महिला नेत्री सोमवारी पूर्ति के पुत्र 17 वर्षीय गणेश पूर्ति का शव बरामद किया गया। बुधवार को सोमवारी पूर्ति ने हत्या की संभावना व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री दुलाल गुड़यां से मुलाकात की। मौके पर मजदूर नेता सह समाजिक सेवा संघ अध्यक्ष राजेश सामंत, जे एम एम पूर्वी सिंहभूम जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति,



झारखंड आंदोलनकारी नेता जामुदा, छोटे सरदार, अमित दास आदि मौजूद रहे। सोमवारी पूर्ति ने हत्या की आशंका जताते हुए परसुडीह थाना में गदड़ा निवासी समीर दिग्गी, महिला दोस्त बुंदू निवासी रोशनी महतो और उसके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी। उन्होंने बताया गणेश पूर्ति की हत्या कर शव फेंक दिया गया। उन्होंने परसुडीह थाना में मामला

दर्ज करने की मांग की। मौके पर पूर्व मंत्री दुलाल गुड़यां ने कहा जो भी मामला है वह स्पष्ट होना चाहिए। हत्या या आत्महत्या जांच का विषय है। प्रशासन जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी करे। अगर हत्या हुई है तो हत्यारों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से जांच करने की मांग की।

विधायक सरयू राय का भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिनिधि सम्मेलन रांची में 11 अक्टूबर को

पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबर किया गया जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड की राजनीति के भीम पितामह सरयू राय अब 48 साल पूर्व जेपी आंदोलन की राह पर चलने की तैयारी में जुट गए हैं। बुधवार को बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में प्रेस वार्त कर जानकारी दी। विधायक सरयू राय ने बताया आगामी 11 अक्टूबर को रांची में भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें शामिल होने के लिए प्रतिनिधियों को पहले मोबाइल नंबर 8877537777 के



जैजिये मिस कॉल या व्हाट्सएप भेजकर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इस आशय की जानकारी देते हुए जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा 48 साल पूर्व बिहार में एक छात्र आंदोलन हुआ था तब आज का झारखंड बिहार के साथ था। भ्रष्टाचार, महंगाई,

बेरोजगारी और कुशिक्षा आंदोलन के मुख्य मुद्दे थे। श्री राय ने कहा व्यवस्था परिवर्तन के संदर्भ में उपयुक्त मुद्दे आज भी पूर्व की तरह प्रासंगिक है। खासकर राजनीतिक भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा समाज में हो रही गिरावट को रोकने के लिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज देने की जरूरत है। आमजन, खासकर युवा मन को इससे जोड़ने की जरूरत महसूस हो रही है। इसे ध्यान में रखते हुए इस सम्मेलन का आयोजन आयोजन किया गया है। उन्होंने इसमें राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्र से कम से कम पांच प्रतिनिधियों से शिरकत करने की अपील की है।

मठ्या तैयारी में जुटे सत्संगी, प्रति दिन मंदिर में हो रहा सत्संग का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सत्संग बिहार टाटा नगर काशीडीह में श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र जी का 135 वा जन्म महोत्सव 16 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर परिसर में उत्सव के पूर्व प्रत्येक दिन संंध्या बेला में सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। प्रति दिन काफी संख्या में दूर दूर से महिलाओं ने उपस्थित होकर सत्संग में भाग ले रहे हैं। बीते 15 दिनों से मंदिर श्रद्धालुओं ने भजन का आनंद उठाया। महिलाओं ने संख बजाकर श्री श्री ठाकुरजी से परिवार के सुख शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं 16 सितंबर को टाटा नगर सत्संग बिहार काशीडीह में श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र जी का 135 वा जन्म महोत्सव को लेकर



सत्संग के दौरान भजन संंध्या पर कार्तिक चंद्र दास के द्वारा रट्कारु जी की भोली सुरतिया सबको दीवाना बनाइले वार गीत पर ढोल नानरा के साथ गीत प्रस्तुत की। मौके पर मंदिर परिसर में श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के चित्र के समक्ष सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भजन का आनंद उठाया। महिलाओं ने संख बजाकर श्री श्री ठाकुरजी से परिवार के सुख शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं 16 सितंबर को टाटा नगर सत्संग बिहार काशीडीह में श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र जी का 135 वा जन्म महोत्सव को लेकर

सभी श्रद्धालुओं के बीच जाजन किया गया। बुधवार को मंदिर परिसर में रितिक विनोद साव के द्वारा प्रक्रारो को जन्म महोत्सव के संबंध में जानकारी दी गई। रितिक विनोद साव ने बताया कोरोना के 2 वर्ष बाद श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 135 वां जन्म महोत्सव टाटा नगर सत्संग बिहार में धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। जन्म महोत्सव के लिए भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। सत्संग बिहार टाटा नगर की फूल माला से सजाने के लिए कोलकाता से कारीगर

बुलाया गया। भव्य आयोजन के लिए सभी गुरु भाई तैयारी में जुट गए हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 सितंबर शुक्रवार को सुबह 4.30 से बजे रात्री तक दिन भर का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बिहार उड़ीसा बंगाल के आलावे झारखंड के सभी जिले से लगभग 10 हजार से ज्यादा श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के भक्तगण शामिल होंगे। सुबह 11:00 बजे से धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। धर्म सभा में शामिल होने के लिए केन्द्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद, राज्य के मंत्री, सभी विधायक, उपायुक्त एसएससी को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान उड़ीसा से राजेश खंडेलवाल उपस्थित होंगे। जिन्होंने अपने जीवन श्री श्री ठाकुर जी के समर्पित किए हैं। उन्होंने धर्म सभा के माध्यम से ठाकुर जी के जीवन पर विस्तार से जानकारी देंगे। धर्म सभा के बाद महिलाओं के द्वारा

मातृ सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं के द्वारा श्री श्री ठाकुर जी के जीवनी पर गीत प्रस्तुत की जाएगी। मौके पर मौजूद हजुरों हजार गुरु भाइयों ने भक्तिमय होकर गीत का आनंद उठाएंगे। कार्यक्रम के दौरान 2:00 बजे से आनंद बाजार का आयोजन किया जाएगा। मौके पर मौजूद भक्तजनों ने प्रसाद के रूप में ग्रहण करेंगे। संंधा बेला में आयोजित प्रार्थना में सभी शामिल होंगे। प्रार्थना के भजन संंध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी गुरु भाई से निवेदन पूर्वक श्री श्री ठाकुर जी के 135 वां जन्मदिन पर उपस्थित होने की अपील की गई। मौके पर रितिक विनोद साव, दिलीप कुमार मिश्रा कृष्णा प्रसाद साह, हरे कृष्ण महतो, युगल किशोर साह, सोनू रजक, कार्तिक चंद्र दास, मदन यादव, विवेक सोनी के आलावे संंध्या बेला में आयोजित सत्संग में दूर दूर से सैकड़ों महिलाएं शामिल हुए।

विधायक सुदेश ने राहे प्रखंड के कई गांवों में पीसीसी सड़कों का किया शिलान्यास



राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कई गांव में बुधवार को विधायक निधि से पीसीसी सड़क का शिलान्यास विधायक सुदेश महतो ने किया।

प्रखंड के घाघराडीह गांव में 500 फीट, भेलवाटिकर गांव में 200 फीट, राहे उपरटोली में 150 फीट, राहे ब्राह्मण टोली में 150 फीट, कोटांगदाम में 300 फीट, कोम्बो में 300 फीट पीसीसी सड़क निर्माण के लिये शिलान्यास किया गया। आयोजित शिलान्यास समारोह में विधायक ने कहा कि गांव में मूलभूत सुविधाओं को बहाल किया जायेगा। हर घर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति किया जाएगा। खेत में सिंचाई पानी की व्यवस्था होगी। चिकित्सा और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जायेगा साथ ही गांव में बिजली की व्यवस्था में सुधार होगा। मौके पर सीओ राहे महेंद्र छोटन उरांव, प्रमुख नीलमणी देवी, उप प्रमुख उमेश प्रसाद, संतोष मुंडा, छोटन मुंडा, संजय सिद्धार्थ, रंगबहादुर महतो, प्रकाश सिन्हा, प्रमोद सिंह, मनोरंजन भोक्ता, गदाधर महतो, मोतीराम महतो, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बुड़ में रात दस बजे के बाद दवा दुकान खुली नहीं रहने से लोगों को होती है परेशानी

बुड़ (आजाद सिपाही)। बुड़ में रात दस बजे के बाद कोई भी दवा दुकान खुली नहीं रहती है। जिससे लोगों को दवा के लिये तड़पना पड़ता है। जबकि अनुमंडलीय अस्पताल बुड़ में रहते हुए भी दवा दुकान रात में बंद रहती है। कुछ वर्ष पूर्व यह नियम बना था कि नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जितने भी दवा दुकान हैं सप्ताह में एक दिन रात्रि सेवा देंगे। लेकिन अब उस नियम को अनदेखी कर दवा दुकानों को बंद रखा जा रहा है। लोग छोटी दवाओं के लिए भी भगवान भरोसे रहते हैं। दूसरी ओर क्षेत्र में दो अस्पताल चलने से अस्पताल में मैन पावर की कमी हो गई है। जिससे दोनों अस्पतालों की देखरेख तथा साफ-सफाई में कठिनाई हो रही है। यहां डिलीवरी के लिए एक ही महिला डॉक्टर है जो मंगलवार के दिन ही आती है। बाकी दिन लोगों को डिलीवरी के लिए सदर हॉस्पिटल अथवा रिम्फ रेफर किया जाता है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रव्यापी रथ यात्रा का तमाड़ में भव्य स्वागत



तमाड़ (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनू सिंह के नेतृत्व में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रव्यापी रथ यात्रा का झारखंड की धरती तमाड़ में क्षत्रिय समाज तमाड़ की ओर से देवड़ी मंदिर प्रांगण एएच 33 में भव्य स्वागत किया गया। जिसमें अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंडर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एपी सिंह, अधिवक्ता ललन सिंह, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रामेश्वर दयाल सिंह, प्रदेश सचिव यश सिंह परमार, श्याम किशोर सिंह, शिवव्रत सिंह, आदित्य सिंह, सर्वेश कुमार, हेमंत सिंह आदि का माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मणिलाल सिंह, युवराज सिंहतमाड़, अमरेश सिंह, गौतम सिंह, कुलदीप सिंह, दुर्गोधन सिंह, लक्ष्मण सिंह, रोशन सिंह, मुन्ना सिंह, आकाश कुंदन राय सिंह, देवकिरण सिंह, अमित राय, ऋतिक सिंह, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विनोद राय आदि अनेकों सदस्य उपस्थित थे।

राढ़ नदी में ग्रामीण का शव मिला

मुरी (आजाद सिपाही)। सिल्ली थाना अंतर्गत थानापूंजी गांव निवासी परीक्षित मुंडा का शव बसंतपुर गांव के समीप राढ़ नदी से मिला। जानकारी के अनुसार गांव वालों ने बताया कि परीक्षित मुंडा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह दोगहर नदी में नहाने पहुंचा था। इसी क्रम में गहरे पानी में वह डूब गया और उसकी मौत हो गई। सिल्ली पुलिस को इसकी सूचना ग्रामीणों ने दी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में इंटर साइंस व कॉमर्स की पढ़ाई नहीं होने से छात्राओं को हो रही है दिक्कतें

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ के सलगाडीह में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में इंटर साइंस व कॉमर्स की पढ़ाई नहीं होने से बच्चियों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। वर्तमान में आर्ट्स की पढ़ाई हो रही है। इसमें 57 बच्चियां पढ़ाई कर रही हैं। साहस्य की तीन बच्चियों को कान्के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में भेजा गया है। वॉर्डन रीता बड़ाईक ने बताया कि भवन का अभाव है। इस विद्यालय का रिजट हफेशा अच्छा रहा है। यहां की एक पूर्व में पढ़ने वाली बच्ची सुशीला कुमारी ने नीट की परीक्षा पास की है, जबकि वह सुदूर बारूकाडे गांव की रहने वाली है।

अमृत पुरान के निधन पर शोक व्यक्त

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की प्रखंड के सिदरी गांव के अमृत पुरान 75 वर्ष की आज थले सुबह रांची के एक अस्पताल में मृत्यु हो गयी। वह रिटायर शिक्षक थे और पुरान समाज के महासचिव रहे। वे पुरान समाज को आदिवासी का दर्जा दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा निभायी थीं। समाज को उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है। वे अपने पीछे एक बेटा व तीन बेटे छोड़ गये हैं। आज अस्पताल से शव सिदरी आने पर उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। उनका अंतिम संस्कार रूपाई सोतिया सिदरी घाट में किया गया। बेटा अरूण पुरान ने मुखगानी दी। सैकड़ों लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

वृद्धा पेंशन व राशन के अभाव में मृत्यु शैक्या पर पड़ी है वृद्धा, पंसस ने 50 किलो चावल उपलब्ध कराया



अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की प्रखंड के पुरानागर पंचायत अंतर्गत गीतिलबड़ा गांव में मो. पानो देवी पिछले एक सप्ताह से खटिया में पड़ी हुई है और जिन-जी-मौ से लड़ाई लड़ रही है। उन्हें न

वृद्धा पेंशन मिलता है और न ही लाल कार्ड होते हुए भी राशन मिलता है। आज पंचायत समिति सदस्य उदय कुमार साहू के प्रयास से 50 किलो चावल उपलब्ध कराया गया। फितनी बड़ी विडंबना है कि यूपीन में उनका फिंगर प्रिंट नहीं आता है इसलिए डीलर आठ महीने से राशन नहीं दे रहा है। आधार कार्ड में उम्र गलत अंकित किया गया है। इसलिए पेंशन भी नहीं मिलता है, जबकि उम्र 75 वर्ष से भी अधिक है और मृत्यु शैया में पड़ी है। वह चल फिर भी नहीं पाती है। चार दिनों से खाना नहीं खाया। प्रधानमंत्री आवास भी नहीं मिला है। एक घर के बरामदे में खटिया में पड़ी है और अंतिम सांसे गिन रही है। उसका एक बेटा समल लोहरा है। उसने कहा पहले राशन मिलता था अब नहीं मिलता है, जिससे काफी दिक्कत हो रही है। राशन कार्ड एक कॉपी में लिखकर चलता है। कॉपी में पिछले साल तक अंकित है।

कार्यक्रम : शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज में हिन्दी दिवस पर वक्ताओं ने कहा

हिंदी ही ऐसी भाषा है जो भारत को एक सूत्र में पिरो के रखे हुए है

भारत में बहुत सारी भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को स्वीकार किया गया : प्राचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज चान्हो बुधवार को हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया। हिंदी की विशेषता के बारे में बतलाते हुए हिंदी की व्याख्याता आशा कुमारी ने बताया कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। हिंदी ही ऐसी भाषा है जो भारत को एक सूत्र में पिरो के रखे हुए है। वहीं अपने संबोधन में बोलते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुशील कुमार ने कहा कि भारत में बहुत सारी भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को स्वीकार किया गया। हिंदी दिवस 1953 से मनाया जा रहा है।

वहीं हिंदी की विशेषता के बारे में बतलाते हुए नागपुरी के व्याख्याता मोहसिन खान ने बताया कि भारत विविधताओं का देश है। इसमें अनेक बोली भाषा और



संस्कृतियां मौजूद हैं। भौगोलिक है। इसके बावजूद हिंदी ही इष्टिकोण से भी भारत में विविधता एकमात्र ऐसी भाषा है जो विभिन्न

डीएवी विवेकानंद स्कूल, बेड़ो में हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन



बेड़ो (आजाद सिपाही)। विनय बगीच स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में बुधवार को हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध लेखन में कक्षा पांचवी से नव्या राज और जाहरा परवीन कक्षा छः से संजीत उरांव व माही कुमारी, कक्षा सातवीं से पूजा कुमारी और निशा उरांव कक्षा आठवीं से प्रियांशी कुमारी और पूजा कुमारी, कक्षा नववीं से जूनी परवीन का चयन हुआ। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान माही कुमारी दूसरा स्थान देवराज केशरी और तीसरा स्थान साक्षी सिंह ने प्राप्त किया। सभी बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक केशव कुमार ने कहा की

हिंदी हमारी मातृ भाषा है। यह हमारे गौरव और स्वाभिमान की प्रतीक है। हमारी पहचान है। उन्होंने कहा हमें अपनी भाषा को जीवित रखना है इसी से हमारी पहचान है इसे अन्य भाषाओं का ज्ञान रखनी चाहिए पर हमें हिंदी भाषा के महत्व देनी चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी शिक्षक सावित्री देवी, सविता कुमारी गुप्ता, तथा देवी सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अहम योगदान दिया।

1932 खतियान राज्य में लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी, झारखंडियों की वर्षों पुरानी मुराद हुई पूरी

प्रदेश राजद के पूर्व वरिष्ठ नेता एवं समाजिक कार्यकर्ता मुस्तफा अंसारी ने सीएम हेमंत सोरेन के प्रति जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। हेमंत सरकार ने अपने वक्तव्य के मुताबिक बुधवार को 1932 खतियान राज्य में लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही झारखंड में स्थानीयता के मुद्दे को लेकर हो रहे आंदोलन एवं विवाद पर विराम लग जायेगा। प्रदेश राजद के पूर्व



वरिष्ठ नेता एवं समाजिक कार्यकर्ता मुस्तफा अंसारी ने कैबिनेट में 1932 का खतियान झारखंड में लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिये जाने पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि झारखंडियों की वर्षों

पुरानी मुराद आज पूरी हो गई। श्री अंसारी ने आज के दिन को ऐतिहासिक और स्वर्णिम बताते हुए कहा कि इससे झारखंडियों की उनकी पहचान व अस्मिता को नया आयाम मिलेगा तथा असली झारखंडी होने का गौरव प्राप्त होगा। उन्होंने 1932 खतियान लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिये जाने पर सीएम हेमंत सोरेन के प्रति अभार व्यक्त किया। मुस्तफा अंसारी ने कहा कि तमाम झंझावतों और काफी दबाव के बीच हेमंत सोरेन ने हिम्मत दिखाई तथा एक ही झटके में विरोधियों के हौसले को पस्त कर दिया।

कांग्रेसी नेताओं ने हेमंत सोरेन सहित पूरे कैबिनेट को दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह कांके विधानसभा प्रभारी महेश कुमार मनीष व जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष मन कुमार महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पूरे कैबिनेट के मंत्रियों, महागठबंधन सरकार को बधाई दी है। कहा है कि राज्य बनने के 22 वर्षों में झारखंडियों को अब जाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पहचान दिलायी है और 1932 का खतियान लागू कर स्थानीय को परिभाषित किया है। वहीं राज्य में पिछड़ी जातियों के लिए 27 प्रतिशत का आरक्षण देकर राज्य के सदनों, मूलवासियों को सम्मान देने का कार्य किया है। इसके लिए पूरी



कैबिनेट बधाई की पात्र है। दोनों नेताओं ने भाजपा पार्टी को आरएसएस का मुखौटा पार्टी

बताया है। वहीं आजसू पार्टी को भाजपा के इशारे पर कार्य करने वाली पार्टी बताया है। इन दोनों राजनीतिक दलों को झारखंड की जनता से कुछ लेना-देना नहीं रह गया है। यह सिर्फ राज्य में लूटने का कार्य कर रहे हैं और विकास के नाम पर राज्य की जनता का विनाश करने पर तुले हुए हैं। दोनों कांग्रेसी नेताओं ने यहां के आदिवासियों, सदनों ने हिम्मत दिखाई है अपील की है कि भाजपा और आजसू के भ्रम जाल से लोग बाहर आएं और राज्य के विकास में अपना समग्र योगदान दें। दोनों नेताओं ने इस खुशी में 15 सितंबर को कांके चौक में आभार व्यक्त करते हुए लोगों के बीच मिठाइयां बांटने की बात कही है।

बैठक : स्वामी भवेशानंद जी महाराज ने जनप्रतिनिधियों के साथ की पंचायत के विकास पर चर्चा

आदिवासी आदर्श पंचायत नवागढ़ के विकास की बनायी कार्य योजना

पंचायत का विकास के लिए सर्वप्रथम संगठन को मजबूत करने की जरूरत है : जिप सदस्य राजेन्द्र शाही मुण्डा

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदरी। प्रस्तावित आदिवासी आदर्श पंचायत नवागढ़ के विकास हेतु आज स्वामी भवेशानन्द जी महाराज सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी रांची ने नवागढ़ पंचायत सचिवालय में पंचायत जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधान एवं विवेकानन्द सेवा संघ, पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य पंचायत का विकास के लिए वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी हासिल करना एवं भविष्य में



पंचायत का विकास के लिए सर्वप्रथम संगठन को मजबूत करने की जरूरत है, प्रत्येक परिवार के सदस्यों को पता होना चाहिए कि हेमंत खुद का विकास के लिए प्रयास करना है तभी पंचायत का विकास होगा। प्रमुख अनगड़ा ने कहा कि पंचायत का विकास के लिए पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं को भी

धर्म और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रही है। आज हिन्दी अंग्रेजी के बाद सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषा है।

मौके पर नीतिमा टोपो, आफताब आलम, सफीउल्लाह अंसारी, कुलदीप एक्का, सीताराम साहू, आशा कुमारी मिथिलेश सिंह, हसीब अंसारी, साबिर अंसारी, उदय नारायण सिंह, विकास उरांव समेत अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद थे।

डीएवी विवेकानंद स्कूल, बेड़ो में हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। विनय बगीच स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में बुधवार को हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध लेखन में कक्षा पांचवी से नव्या राज और जाहरा परवीन कक्षा छः से संजीत उरांव व माही कुमारी, कक्षा सातवीं से पूजा कुमारी और निशा उरांव कक्षा आठवीं से प्रियांशी कुमारी और पूजा कुमारी, कक्षा नववीं से जूनी परवीन का चयन हुआ। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान माही कुमारी दूसरा स्थान देवराज केशरी और तीसरा स्थान साक्षी सिंह ने प्राप्त किया। सभी बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक केशव कुमार ने कहा की

पूर्व मुखिया को पंचायत प्रतिनिधि बनाया

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पुरियो पंचायत सचिवालय में बुधवार को पंचायत के मुखिया नीरज कुजूर ने अपने पंचायत में पूर्व मुखिया कुबा पाहन को पंचायत प्रतिनिधि बनाया गया। मुखिया ने कहा कि पूर्व मुखिया कुबा पाहन को गांव के विकास कार्यों का बेहतर अनुभव है, जिसका सदुपयोग करके सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में आसानी होगी। वहीं पूर्व मुखिया कुबा पाहन ने कहा कि पंचायत के गांवों का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी।



महत्वपूर्ण न्यूज

द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में की गयी 80 मरीजों की निःशुल्क जांच

नामकुम (आजाद सिपाही)। द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर टाटीसिलवे की ओर से बुधवार को खूटी जिला अंतर्गत अड़की पंचायत के



राजकीय मध्य विद्यालय जरंगा में आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में विभिन्न रोगों से संबंधित 80 मरीजों की जांच कर इलाज के लिये परामर्श दिया गया। शिविर में जानकारी देते हुये फिजिशियन डॉ गणेश कुमार सिंह ने मरीजों को हरी साग-सब्जी खाने, दूध पीने एवं योगा करने की सलाह दी। हॉस्पिटल के डॉक्टर डॉ एसके निराला ने बताया कि हॉस्पिटल द्वारा लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जा रहा है। कहा कि पैसे के अभाव में किसी गरीब का इलाज रुकना नहीं चाहिये। हॉस्पिटल गरीबों का हर संभव मदद करेगा। शिविर को सफल बनाने में डॉ गणेश कुमार सिंह, सिस्टर सुषमा कुमारी, प्रमिला हंसदा, दिवा पासवान आदि ने सहयोग किया।

कैब्रिज स्कूल टाटीसिलवे में हिंदी दिवस हर्षोल्लास से साथ मनाया

नामकुम (आजाद सिपाही)। कैब्रिज स्कूल टाटीसिलवे में बुधवार को हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के बीच



कहानी, कविता, निबंध आदि विषयों पर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य तापस नाथ ने बच्चों को हिंदी दिवस की बधाई देते हुये कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। 14 सितंबर 1949 में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिला। वहीं, विजयी प्रतिभागियों को निर्णायक मंडली द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस मौके पर निर्णायक मंडली में हिंदी की वरिष्ठ शिक्षिका रीता सिंह, रीना सहाय, रुपा माला, शिक्षक अमित कुमार पांडेय आदि शामिल थे।

कदमा विस्थापित संघर्ष समिति की बैठक में कई विषयों पर बनी सहमति

कांके (आजाद सिपाही)। संत जोसेफ स्कूल परिसर में कदमा विस्थापित संघर्ष समिति के बैनर तले समिति के सचिव अतीत कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें कई विषयों पर सहमति बनी। इसमें कांके प्रखंड के मौजा कदमा में स्थित निर्माणार्थीन टाटा कैन्सर हॉस्पिटल की तरह रिनापस मानसिक अस्पताल, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में विस्थापित व स्थानीय लोगों के रोजगार और नियोजन को लेकर संघर्ष करने का निर्णय लिया गया। राज्य की नियोजन नीति और नियोजन अधिनियम को सरकारी कार्यालयों सहित निजी प्रतिष्ठानों में भी लागू करवाने का निर्णय लिया गया। मौजा कदमा में स्थित सभी संस्थानों में विस्थापित व स्थानियों की लड़ाई कदमा विस्थापित संघर्ष समिति कांके के बैनर तले ही लड़ने का निर्णय लिया गया। मुखिया ने कहा कि सभी राजनीतिक दल के प्रखंड अध्यक्ष और स्थानीय निकाय पंचायतों से चुनकर आए सभी प्रतिनिधि समिति के संयोजक और संरक्षक होंगे इस बैठक में प्रखंड के उप प्रमुख अंजय बैठा, पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिल टाइगर, विधायक प्रतिनिधि प्रभात भूषण, राजकुमार महतो सहित समिति के पदाधिकारी और संरक्षक मौजूद थे।

तपेश्वर केसरी के रांची जिला ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति जिलाध्यक्ष बनने पर दी बधाई

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी निवासी समाजसेवी तपेश्वर केसरी के रांची जिला ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के जिलाध्यक्ष बनने पर नगड़ी प्रखंड के लोगों में हर्ष व्याप्त है। लोगों ने कहा कि कोरोना काल के बाद इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्र में तपेश्वर केसरी की अगुवाई भव्य पूजा का आयोजन होगा। जिलाध्यक्ष बनने पर नगड़ी जिप सदस्य पूनम देवी, केदार महतो, दौलत राम केसरी, शशि भूषण भगत, प्रेम सागर महतो, पूर्व उप मुखिया नगड़ी दिनेश केसरी, महेश शर्मा, समाजसेवी बजरंग महतो, हेमंत केसरी, विंध्याचल महतो, आदित्य केसरी, प्रदीप कुमार महतो, मनीष केसरी, राहुल चौधरी, कमलेश केसरी आर्कषण, शीला देवी सहित कई लोगों ने बधाई दी है।



मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत किसानों के बीच बकरी का वितरण

मांडर (आजाद सिपाही)। मांडर प्रखंड परिसर में प्रखंड के किसानों के बीच बुधवार को मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिकी ने मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत देसी नस्ल का बकरी वितरण किया गया। विधायक ने कहा कि सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बकरी पालन के लिए मुख्यमंत्री पशुधन योजना से जोड़ा है। इसके लिए सरकार कई लाभकारी योजना चला रखी है। गरीबी रेषा से नीचे का किसानों को शत प्रतिशत अनुदान के साथ बीमा, बकरी शेड सहित कई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। किसान खेती-बारी के अलावा कम पूंजी में बकरी पालन कर दोहरा मुनाफा कमा सकते हैं। कार्यक्रम में अंचल अधिकारी मांडर विजय हेमराज खलखो, कल्याण पदाधिकारी विनोद लकड़ा, विधायक प्रतिनिधि आविद अंसारी, मंगा उरांव, होसे उरांव, सेरोफिना मिंज, सरिता तिग्गा, तबारक खान, जुएल तिग्गा, समसुल शेख सहित कई लोग मौजूद थे।

ढेलुवाखुटा दुर्गापूजा समिति का गठन, सातवीं बार अध्यक्ष बने लक्ष्मण प्रसाद सैनी

सिकिदरी (आजाद सिपाही)। दुर्गापूजा का पर्व धूमधाम से मनाने को लेकर बुधवार को सिकिदरी के ढेलुवाखुटा स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में लक्ष्मण प्रसाद सैनी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सबसे पहले समिति के एक साल का आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक में दुर्गापूजा का पर्व हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। इस के सफल आयोजन के लिए मौके पर कमेटी का गठन किया गया। गठित कमेटी में सर्वसम्मति से लक्ष्मण प्रसाद सैनी को लगातार सातवीं बार अध्यक्ष चुना गया। इस के अलावा उपाध्यक्ष शशिकांत प्रसाद, सचिव गणेश रजवार, सह सचिव रामजी सिंह, कोषाध्यक्ष जयनारायण साहू, उपकोषाध्यक्ष लक्की कुमार चुने गए। इस के अलावा मुख्य संरक्षक विककी सिंह वालिया, संरक्षक सूर्यकांत प्रसाद, अर्जुन प्रसाद व प्रदीप कुमार चुने गए।

उपायुक्त ने तरहसी व नीलांबर-पितांबरपुर प्रखंड कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

नीलांबर-पितांबरपुर में अनुपस्थित रहे कर्मियों पर हुई कार्रवाई

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीसी आंजनेयुलु वेड्डे ने बुधवार को तरहसी व नीलांबर-पितांबरपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वे सबसे पहले तरहसी पहुंचे यहां उन्होंने अंचल कार्यालय से संबंधित विभिन्न रजिस्ट्रारों की जांच की इस दौरान उन्होंने अंचल से जारी होने वाले जाति प्रमाण पत्र, आव प्रमाण पत्र, जमीनदारी बांध, करेक्शन, मोटेशन से संबंधित विभिन्न सचिकाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अंचलाधिकारी को मूटेशन हेतु आये सभी आवेदनों का ससमय



निष्पादित करने हेतु निर्देशित किया। वहीं परिशोधन की समीक्षा के दौरान अंचलाधिकारी केदारनाथ सिंह ने बताया कि निर्धारित ओटीपी के अनुसार प्रतिदिन 30 परिशोधन किया जाता है एक दिन में तीस से अधिक ओटीपी नहीं आने के कारण इससे अधिक परिशोधन नहीं

हो पाता है इसपर उपायुक्त वेड्डे ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के वरीय पदाधिकारियों से ऑन स्पॉट कॉल कर इस समस्या का समाधान करने हेतु अनुरोध किया उन्होंने कहा कि साप्ताहिक जनता दरबार में प्राप्त जन शिकायतों को पूरी गंभीरता के साथ लिया जाना चाहिए

ताकि आवश्यक छोटे-मोटे कामों के लिए लोगों को जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़े। संबंधित पदाधिकारी आम जनता के प्रति पूरे संवेदनशील रहें। **बीडीओ को प्रखंड में क्रियान्वित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने के लिए निर्देश**

की प्रखंड कार्यालय की ओर से डीएमएफटी के माध्यम से 11 मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र बनाने हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। समीक्षा के पश्चात उपायुक्त ने तरहसी प्रखंड में आये आम लोगों से सीधे मुखातिब होकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। **नीलांबर - पितांबरपुर (लेस्लीगंज) में अनुपस्थित रहे कर्मियों पर हुई कार्रवाई**

की प्रखंड कार्यालय की ओर से डीएमएफटी के माध्यम से 11 मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र बनाने हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। समीक्षा के पश्चात उपायुक्त ने तरहसी प्रखंड में आये आम लोगों से सीधे मुखातिब होकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। **नीलांबर - पितांबरपुर (लेस्लीगंज) में अनुपस्थित रहे कर्मियों पर हुई कार्रवाई**

दुर्गा पूजा समिति ने मुख्यमंत्री से सभी पूजा पंडालों को 51 हजार देने की मांग की

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पलामू के सभी पूजा समितियों को 51 हजार रुपये सहयोग राशि देने की मांग की है। डीसी को मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में कोरोना के कारण पूरा देश आर्थिक समस्या से जूझ रहा है वहीं पलामू प्रखंड इस वर्ष सुखाड़ से प्रभावित होने के कारण यहाँ की व्यवसायिक गतिविधियों भी प्रभावित हुई है। पलामू उपायुक्त के माध्यम से दिए गए मांग पत्र में कहा गया है कि दुर्गात्सव पूरे झारखंड का अतिमहत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे में झारखंड सरकार को पहल करते हुए सभी पूजा समिति को आर्थिक सहयोग करना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में केंद्रीय अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद जौहरी, उपाध्यक्ष ललन सिन्हा, वीएम पांडेय, हरिशंकर सिंह, प्रदीप जायसवाल, कमल गुप्ता, मंत्री सतीश तिवारी, मनीष भिवानियां व मोनु सिंह, संजय राज व जितेन्द्र सोनी शामिल थे।

हैदरनगर के गोल्हना में विधायक कोटा से पाइन निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

हैदरनगर/पलामू (आजाद सिपाही)। हैदरनगर के गोल्हना में विधायक कोटा से पाइन का शिलान्यास एनसीपी अध्यक्ष प्रकाश के प्रेक्ष अध्यक्ष मनान खान, हुसैनाबाद बीस सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, हैदरनगर बीस सूत्री अध्यक्ष बिमलेश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को आनलाइन संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह जो कहते हैं वह कर के दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने नया गांव में वादा किया था, उन गांव में कार्य शुरू करा दिया है। उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद में बीस सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के नेतृत्व में विधायक कोटा की योजनाओं का शिलान्यास लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक एक कर ग्रामीण सड़कों को ठीक करने का काम किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि जात पात की राजनीति से क्षेत्र का विकास बाधित होता है। जनता को भी यह बात समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद की जनता ने हमेशा विकास की राजनीति का साथ दिया है। आगे भी इसे बरकरार रखा जायेगा। मनान खान ने कहा कि जिन्हें भी निर्माण कार्य की जिम्मेदारी दी गई है, काफी सोच समझ कर दी गई है। उमौके पर रोनक सिंह, बिमलेश सिंह, अकबर खान, संजय सिंह, लल्लू सिंह, वीरेंद्र सिंह, दिलीप पाल, सुधीर सिंह, मुखिया अशोक यादव, रविरेज अलावा बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

बिजली का अवैध ढंग से उपयोग करने वाले 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

हैदरनगर/पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू जिला के हैदरनगर थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जेबीपीएनएल के अभियंताओं ने विशेष छापाकारी अभियान चलाया। छापाकारी अभियान में अवैध ढंग से बिजली का उपयोग करते 10 लोग पकड़े गए। सभी के खिलाफ हैदरनगर थाना में बिजली चोरी कर उपयोग करने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनमें रामदीप प्रजापति शुक्राजार, वीरेंद्र सिंह, अजय कुमार, बुद्धि पासवान, रविंद्र मेहता, जयराम यादव, अनिल कुमार यादव सभी ग्राम बरेवा, बलराम मेहता, जयराम मेहता ग्राम सोबा व प्रदीप चौहान ग्राम कनीदा का नाम शामिल है। इनपर वीर वेंद कनेक्शन लिये निजी घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों व खेत में तार खींचकर पटवन करने का आरोप लगाया गया है। जेबीपीएनएल के कर्मीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने उक्त आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए उन पर 83 हजार रुपया का जुर्माना भी लगाया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में उनके अलावा मानव दिवसकर्मी जितेन्द्र टाकुर, ओबेद सिद्दीकी व मनोज कुमार शामिल थे। उन्होंने ग्रामीणों को वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करने की सलाह दी है। इसके लिये उनकी सुविधा अनुसार सभी स्थानों पर निर्धारित दिवस व तिथि को विभाग शिविर का भी आयोजन किया जाता रहा है। उन्होंने कहा है कि जेबीपीएनएल का आगे भी छापाकारी अभियान जारी रहेगा। इस दौरान अवैध बिजली का उपयोग करते पकड़े जाने पर जुर्माने के साथ प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी।

पंचायत प्रतिनिधियों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पंचायत प्रतिनिधियों का अहम योगदान : सुधीर कुमार

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को विस्तार पूर्वक विभिन्न योजनाओं की जानकारी दिया गया एपीओ सुधीर कुमार ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित सभी संचालित योजनाओं का बेहतर तरीके से कैसे क्रियान्वयन हो इसकी जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण के माध्यम से दिया गया साथ ही पंचायती राज व्यवस्था का उद्भव, मुखिया, उप मुखिया एवं ग्राम पंचायत के अधिकार, ग्राम पंचायत के कार्य एवं दायित्व, ग्राम पंचायत की स्थाई समितियां, वार्ड सभा, ग्राम पंचायत योजना का उद्देश्य, प्रक्रिया एवं



महत्व, त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण, इसकी आवश्यकता और महत्व के साथ आपदा प्रबंधन में ग्राम पंचायत की भूमिका को बताया गया एपीओ नंद कुमार राम ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को निधि के स्रोत और इसके खर्च की भी जानकारी आवश्यक है। इसलिए निधि के स्रोत, लेखा संधारण एवं वित्तीय प्रबंधन

का प्रशिक्षण दिया गया उन्होंने कहा कि फिफ्टन फाइनंस, मनरेगा, आवास योजना समेत सभी विकास योजनाओं को ससमय एवं सुलभ रूप से आम लोगों के बीच पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से पहुंचाना प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, उतरी क्षेत्र के जिप सदस्य राजू कुमार मेहता उर्फ एसपी मेहता, दक्षिणी जिप सदस्य रिंकी कुमारी, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, मुखिया अमरेंद्र कुमार टाकुर, नरेश राम, सुदामा यादव, अशोक चौधरी, सुषमा देवी, संजू देवी, सरिता देवी, श्रवण राम, आदेश कुमार सिंह, प्रेमा देवी, अर्नात देवी, पंचायत सेवक सुवेद राम, वशिष्ठ तिवारी, बीपीओ सुनील कुमार, वीरेंद्र कुमार समेत कई पंचायत प्रतिनिधि व कर्मी मौजूद थे।

पलामू, गढ़वा, लातेहार सहोदर्या स्कूल कांप्लेक्स का गठन ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारिक कदम : सज्जन कुमार

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। मंगलवार को सभी संबद्धता प्राप्त सीबीएसई स्कूलों की संयुक्त बैठक एमके डीएवी पब्लिक स्कूल में हुई। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अस्तिस्टेंट सेक्रेटरी (एरजाम) सीबीएसई पटना जेन के सज्जन कुमार उपस्थित रहें। साथ ही उन्होंने सभी स्कूलों के प्राचार्यों के साथ दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं उक्त मौके पर संगठन के लोगो का डिजिटली लोकार्पण भी किया। सभी स्कूलों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बच्चों के बेहतर विकास हेतु पीजीएल सहोदर्या स्कूल कांप्लेक्स का गठन किया गया। सर्व समिति से एमके डीएवी स्कूल के प्राचार्य डॉ जीएन खान को संगठन का अध्यक्ष, एमडीएन जीजीपीएस स्कूल



के प्राचार्य पीपी गुप्ता को उपाध्यक्ष, रोटीर स्कूल के प्राचार्य अक्षय कुमार पांडे को सचिव, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ एके सिंह को कोषाध्यक्ष, ब्राइट लैंड स्कूल के प्राचार्य राहुल सिंह को आईटी सेल सचिव सह कार्यक्रम समन्वयक, जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य एमडी नईम को संयुक्त कोषाध्यक्ष, आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एसके खन्ना को संयुक्त सचिव तथा संत मरियम स्कूल

जनसम्पर्क अधिकारी कुमार आदर्श ने कहा कि सभी स्कूल नियमित तौर पर अपने विद्यालयों में समय-समय पर इनहाउस ट्रेनिंग का आयोजन करते रहे हैं, परंतु पीजीएल सहोदर्या स्कूल कांप्लेक्स के गठन के बाद अब विभिन्न स्कूल के शिक्षक बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए एक दूसरे स्कूलों में परस्पर फेरबदल करते हुए इनहाउस ट्रेनिंग में भाग लेंगे जिससे उनकी शिक्षण पद्धति, पढ़ाने के तरीके साथ ही अनेक विद्याओं का विकास का मार्ग प्रशस्त होगा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एसके खन्ना ने कहा कि संगठन के सभी स्कूल सदस्य संगठन द्वारा प्रदत्त दायित्व का पूरी कर्मठता पूर्वक पालन करेंगे साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखेंगे।

रेल लाइन पर मिला अधेड़ का शव

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। बीडी रेलखंड के जपला रेलवे स्टेशन से करीब एक किमी दूर बरसी उच्च विद्यालय के समीप अप लाइन में हुसैनाबाद के इस्लामगंज मोहल्ला निवासी सुदन हाशमी का शव बरामद किया गया है। स्थानीय पुलिस की मदद से शव की पहचान हो पाई। शव मिलने के बाद उसे अज्ञात मान कर अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में अंत्यपरीक्षण किया गया। अंत्यपरीक्षण के बाद इस्लामगंज मोहल्ला के लोगों ने उसकी पहचान सुदन हाशमी के रूप में की। पारिवारिक सुत्रों ने बताया कि सुदन हाशमी की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। वह अहले सुबह से लापता था। शौच के लिए या अन्य कारण रेल लाइन पार करने के दौरान वह ट्रेन की चपेट में आया होगा।

आनंदमार्गियों ने मनाया प्रभात संगीत दिवस

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। मेदिनीनगर के नई मुहोल्ला स्थित आनंद मार्ग जागृति में बुधवार को आनंदमार्गीयों ने प्रभात संगीत दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया। इस दौरान आनंदमार्गी जागृति परिसर में इकट्ठा होकर अखंड कौतन अष्टाक्षरी सिद्ध महामंत्र बाबा नाम केवलम का कौतन-भजन, साधना किया। अपने गुरु श्री श्री आनंदमूर्ति जी के दिए गए आशीर्चनओं को पढ़ा गया। वरिष्ठ आनंद मार्गी श्री जगरनाथ ने जानकारी दी कि आज से लगभग 7000 वर्ष पूर्व भगवान शिव ने सरगम का आविष्कार कर मानव मन के सूक्ष्म अभिव्यक्तियों को प्रकट करने का सहज रास्ता खोल दिया था। इसी कड़ी में 14 सितंबर 1982 को झारखंड राज्य के देवघर में आनंद मार्ग के प्रवर्तक भगवान श्री श्री आनंदमूर्ति जी ने प्रथम प्रभात संगीत रंघुवै ने निये चलोर् बांग्ला भाषा में देकर मानव मन को भक्ति अनुसूचक कर दिया। 8 वर्ष 1 महीना 7 दिन के छोटे से अवधि में श्री श्री आनंदमूर्ति जी ने 5018 प्रभात संगीत का अवदान मानव समाज को दिया। प्रभात संगीत के भाव, भाषा, छंद, सुर एवं लय अद्वितीय और अतुलनीय है। उन्होंने बांग्ला, उर्दू, हिंदी, अंगिका, मैथिली, मगही एवं अंग्रेजी भाषा में प्रभात संगीत दिया। आचार्य सिद्धार्थ आनंद अवधूत ने कहा कि उन्होंने कहा कि कोई भी मनुष्य जब पूर्ण भाव से प्रभात संगीत के साथ खड़ा हो जाता है, तो रीतिरिवाज भी हरा हो जाता है। संगीत तथा भक्ति संगीत दोनों को ही रहस्यवाद से प्रेरणा मिलती रहती है। जितनी भी सूक्ष्म तथा दैवी अभिव्यक्तियां हैं, वह संगीत के माध्यम से ही अभिव्यक्त हो सकती हैं। मनुष्य जीवन की यात्रा विशेषकर अध्यात्मिक पगडंडियां प्रभात संगीत के सुर से सुगंधित हो उठता है। आजकल प्रभात संगीत एक नये घराने के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। मौके पर भुक्ति प्रधान मधेश्वर, बैजनाथ, एडवोकेट लक्ष्मण सिंह, सरोज, प्रदीप, गोपाल, मणिकांत, पूनम, चंदू, शारदा, रेणु, दीपक, सोनू आदि लोग शामिल हुए।



ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में हिन्दी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ एके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात हिंदी के प्रख्यात रचनाकार मुंशी प्रेमचंद जी के छायाचित्र पर पुष्प एवं माल्यार्पण किया। विद्यालय के अध्यापक एवं अध्यापिकाओं के द्वारा भी पुष्प अर्पित किये गये। विद्यालय के प्राचार्य डॉ एके सिंह ने कहा कि भारत दुनियाँ में सबसे ज्यादा विविध संस्कृतियों वाला देश है। धर्म परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहाँ के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। हिन्दी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है। 1949 में हिंदी को देश में सर्वोच्च भाषा मानकर राजभाषा का दर्जा दिया गया। प्रत्येक भारतीय को अपनी मातृभाषा बोलने पर गर्व होना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय में कई मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। हिंदी दिवस के इस अवसर पर विद्यालय शिक्षिकाओं के द्वारा हिंदी की महत्ता प्रतिपादित करती हुई सामूहिक गान प्रस्तुत किए गए। योग शिक्षिका रागिनी द्वारा हिन्दी प्रयोग को प्रेरित करती हुई चम्पू काव्य का प्रस्तुतीकरण हुआ। गणित शिक्षक दिलीप कुमार मिश्र के द्वारा पतंजी की रचना हारश्मिरथौक का काव्य पाठ प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर मंच संबालन हिन्दी शिक्षक भरत लाल वर्मा द्वारा किया गया तथा हिन्दी शिक्षिका रश्मि सिंह के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक तथा शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।



Office of District Legal Services Authority, Ramgarh

Correction Letter
Notice regarding extending the last date for filling application for the Post of Legal Aid Defense Counsels till 19.09.2022

Ref to the PR No. 277170 dt. 07.09.2022, applications are invited from eligible lawyers having requisite qualifications for Contractual full time engagement for the posts of Chief Legal Aid Counsel, Deputy Chief Legal Aid Defense Counsels and Assistant Legal Aid Defense Counsels in the Legal Aid Defense Counsel System in District Legal Services Authority, Ramgarh. The duly filled application form along with self-attested copies of documents may be submitted to DLSA, wherein the candidate desires to apply through speed post or in an envelope personally in the office of the Secretary, DLSA, Ramgarh on or before extended date **19th September 2022 by 05.00 Pm**. Any application received after due date shall not be considered. For further details kindly visit the link <https://districts.ecourts.gov.in/ramgarh/judgeship-glance>. Note: Applying for engagement does not create any right/assurance whatsoever.

Sd/-
PR277778 (District)22-23rd Secretary DLSA, RAMGARH

DISTRICT LEGAL SERVICES AUTHORITY, HAZARIBAGH CIVIL COURT, HAZARIBAGH

Mobile No:- 9939201624 e-mail:- dlsahazaribag@gmail.com
Adv. No. LADCs/01/2022 Date:- 14.09.2022

Interview for different posts of LADCs

This is to inform that applications were invited from eligible lawyers having requisite qualification for contractual full time engagement for the different posts in process of implementation of LADCs in the district of Hazaribagh.

It is for the information of all those candidates who have applied for such different posts that their interview is scheduled to be held on **19.09.2022, 20.09.2022 & 21.09.2022** at Nyaya Sadan, Civil Court, Hazaribagh.

The candidate wise interview details including date, venue and time are available on the website of the Civil Court, Hazaribagh i.e. <https://districts.ecourts.gov.in/hazaribagh> and on the Notice Board of DLSA, Hazaribagh. The candidates are advised to go through the details available on the website of the Civil Court, Hazaribagh and on the Notice Board of DLSA, Hazaribagh.

Note:- Any request for the change of date/time shall not be entertained in any case.

Sd/-
Principal District Judge cum Chairman, DLSA, Hazaribagh

PR 277726 (Law)22-23rd

स्पोर्ट्स कोई भी पदाधिकारी तीन साल स्टेट और बोर्ड में 6 साल तक किसी भी पद पर रह सकता है

गांगुली और जय शाह पद पर बने रहेंगे : सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई को संविधान संशोधन की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बीसीसीआई के कूलिंग ऑफ पीरियड में बदलाव को मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद अब कोई पदाधिकारी स्टेट बॉडी में तीन साल से ज्यादा और इउकर्म में लगातार दो बार यानी 6 साल तक पद पर बना रहेगा। इसका सबसे ज्यादा फायदा मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह को मिल सकता है। अब स्टेट बॉडी और बोर्ड के कार्यकाल को एकसाथ नहीं माना जाएगा

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अब राज्य क्रिकेट एसोसिएशन और बीसीसीआई के कार्यकाल को एक साथ नहीं माना जाएगा। ऐसे में कोई अधिकारी राज्य क्रिकेट में छह साल काम करने के बाद बीसीसीआई में भी छह साल काम कर सकता है। बीसीसीआई में लगातार छह साल पूरे होने के बाद तीन साल तक कोई भी पद पर नहीं रह सकता है। पहले समझे कूलिंग ऑफ पीरियड क्या है? कूलिंग ऑफ पीरियड को लेकर लोहा कमेटी ने 2018 में सिफारिश की थी। बाद में इन्हें तभी से लागू कर दिया गया। इसके मुताबिक, कोई भी पदाधिकारी पहले स्टेट बॉडी में तीन साल या उससे ज्यादा समय तक पद पर रहता है तो वह बोर्ड में सिर्फ तीन साल और पद पर रह सकता है। सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद, अब

के प्रावधान को खत्म करने की इजाजत मांगी थी। इस मामले में इउक का कहना है कि कूलिंग ऑफ पीरियड किसी सदस्य के एक ही स्थान पर लगातार छह साल तक पद संभालने के बाद आना चाहिए, न कि स्टेट फेडरेशन या बीसीसीआई या दोनों को मिलाकर। **गांगुली और जय शाह का कार्यकाल खत्म हो रहा है** वर्तमान समय में बीसीसीआई में प्रेसिडेंट सौरव, जय शाह समेत पांच पदाधिकारियों ने बोर्ड और स्टेट बॉडी में 6 साल पूरे कर लिए हैं। सौरव गांगुली 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई के अध्यक्ष बने थे। इससे

पहले वे 2014 में बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव बने थे, फिर 2015 में उन्हें अध्यक्ष का पद मिला। इसी तरह, जय शाह 2014 में गुजरात क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव बने थे। ऐसा कहा जाता है कि उनका कार्यकाल आठ सितंबर 2013 से ही शुरू हो गया था। यानी सितंबर 2013 से अक्टूबर 2019 तक वह गुजरात क्रिकेट संघ से जुड़े रहे। इसके बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी का पदभार उन्होंने 24 अक्टूबर 2019 को संभाला था। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों अगले तीन साल तक अपने पद पर बने रहेंगे।

कोई भी पदाधिकारी तीन साल स्टेट और बोर्ड में 6 साल तक किसी भी पद पर रह सकता है। **बीसीसीआई को क्या आपत्ति थी?** बीसीसीआई ने 2019 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायिल कर तीन साल के कूलिंग ऑफ पीरियड

महत्वपूर्ण न्यूज

धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में राजभाषा संकल्प समारोह का आयोजन



धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में बुधवार को हिंदी दिवस पर राजभाषा संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें धनबाद रेल मंडल प्रबंधक आशीष बंसल ने सभी रेल कर्मियों को हिंदी दिवस पर सभी कार्य हिंदी में करने की शपथ दिलाई। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी दिवस मनाया जाता है। इसी के मद्देनजर धनबाद मंडल कार्यालय में हिंदी दिवस को लेकर लोगों को शपथ दिलाई गई। ताकि सभी लोग अपने कार्य में हिंदी भाषा का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करें। हिंदी को सरलता से समझें और बढ़ावा दें। क्योंकि हिंदी है हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा यह स्लोगन आज भी हम सभी के दिल में है। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर 1949 को हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में अंगीकृत की गई थी। लेकिन अभी तक हिंदी में सभी कामकाज नहीं किए जाते हैं। वैसे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व देशवासियों से अपील है कि वह अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी में कामकाज करने के लिए अग्रसर हों। वहीं, शपथ समारोह में एडीआरएम आशीष झा, सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार, सीनियर डीओएन पंकज कुमार, सीनियर डीएनएन कोऑर्डिनेटर अमित कुमार, सीनियर डीपीओ अजीत कुमार और रेल जनसंपर्क पदाधिकारी प्रभात मिश्रा मौजूद थे।

डीएवी स्कूल कोयलानगर में मना हिंदी दिवस



धनबाद (आजाद सिपाही)। डीएवी कोयला नगर स्कूल के सभागार में बुधवार को धूमधाम से हिंदी दिवस मनाया गया। वतीर मुख्य अतिथि झारखंड जोन-सी के क्षेत्रीय पदाधिकारी डॉ केसी श्रीवास्तव, प्राचार्य एनएन श्रीवास्तव एवं डीएवी परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ केसी श्रीवास्तव ने किया। वहीं, हिंदी की वरिष्ठ शिक्षिका ममता श्रीवास्तव ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उसके बाद हिंदी की शिक्षिका कविता गुप्ता ने क्षेत्रीय भाषा में हास्य एवं व्यंग्य प्रधान कविता की प्रस्तुत किया। हिंदी शिक्षिका रीना कुमारी द्वारा ऑनलाइन हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। क्षेत्रीय पदाधिकारी डॉ केसी श्रीवास्तव ने हिंदी भाषा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी भाषा में अपार संभावनाएं हैं। हिंदी भारत की सांस्कृतिक धरोहर है। हमें अपनी मातृभाषा पर विशेष बल देना चाहिए। वहीं, प्राचार्य एनएन श्रीवास्तव ने मातृभाषा और राजभाषा हिंदी की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। कहा कि हिंदी में अन्य क्षेत्रों की तुलना में रोजगार की अत्यधिक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से सिनेमा जगत ने अनेक नए रोजगार उत्पन्न किए हैं और हिंदी की लोकप्रियता को बढ़ाने में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इस दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य, शिक्षिका कविता विकास, राज कुमार पांडे, रीना कुमारी, मनीष कुमार आदि की भूमिका सराहनीय रही।

हिंदी दिवस पर कतरास में राजभाषा परखवाड़ा का शुभारंभ, महाप्रबंधक ने दो को सौपा नियुक्ति पत्र



कतरास (आजाद सिपाही)। हिंदी दिवस पर बुधवार को बीसीसीएल कतरास क्षेत्रीय सभागार में महाप्रबंधक एके सिंह ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के चित्र पर माल्यार्पण और द्वीप प्रज्वलित कर राजभाषा-परखवाड़ा 2022 का शुभारंभ किया। कतरास क्षेत्र के राजभाषा विभाग के सचिव सह क्षेत्रीय प्रबंधक (कार्मिक) सुरेंद्र भूषण की ओर से हिंदी दिवस पर जारी कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का संदेश वाचन किया गया। इस मौके पर अवर महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद, क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त) विनोद कुमार, कैलाश कुमार शांडिल्य, कौशल कुमार, परियोजना पदाधिकारी संजय चौधरी, राजभाषा अधिकारी राजा एणके सिंह, रामरूप गोप, दिनेश पाण्डेय आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, कार्यक्रम के बाद महाप्रबंधक ने शाहादत अंसारी और अक्षय कुमार महतो को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

डीवीसी मैथन परियोजना सभागार में हिंदी दिवस पर परखवाड़ा का आयोजन

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। डीवीसी मैथन परियोजना प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को हिंदी दिवस पर परखवाड़ा का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन परियोजना प्रधान अंजनी कुमार दूबे ने किया। मौके पर कार्यपालक निदेशक (असैनिक) सह परियोजना प्रधान मृगाल कर्मा भट्टाचार्य, प्रधान प्रमुख अभियंता प्रणाली जयंत बनर्जी, मुख्य अभियंता संचार विवेक रस्तोगी, मुख्य अभियंता क्यूसीआई सुनील सिंह, अभय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (प्रशासन) एवं मुख्य अभियंता आदि उपस्थित थे।

शिक्षाविद भोलाराम महतो की 6वीं पुण्यतिथि मनी



नावाडीह (आजाद सिपाही)। शिक्षाविद सह नावाडीह बीडी पब्लिक स्कूल के संस्थापक स्व. भोलाराम महतो की 6वीं पुण्यतिथि बुधवार को स्कूल परिसर में मनाई गई। उपस्थित लोगों ने स्व महतो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने स्व भोलाराम महतो के जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि शिक्षा के प्रति लगाव रखकर ही हम उनको सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। वहीं, बीडी स्कूल के प्राचार्य थनू महतो ने कहा कि शिक्षा प्रेमी स्व महतो सदैव लोगों के बीच अजीवन शिक्षा की ज्योति जलाते रहे। इनकी प्रेरणा से कई लोग नियमित रूप से अपने बच्चों को स्कूल भेजने को तैयार हुए। जो अपने आप में प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। संवाचित होने के बाद भी शिक्षा के क्षेत्र में कदम नहीं खड़ा। लोगों को हमेशा सही दिशा निर्देश देते और समाज में फैली कुरितियों को दूर करने को लेकर हमेशा जागरूक करते रहे। स मौके पर लोक नारायण प्रेमी, महेंद्र कुमार, रेणु कुमारी, भागीरथ शर्मा, सीताराम प्रसाद आदि मौजूद थे।

मुराईडीह में कांग्रेस की भारत जोड़ो पदयात्रा व नुक्कड़ सभा का आयोजन

महंगाई से कराह रहा देश : जलेश्वर

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। कांग्रेस से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का भारत जोड़ो, देश जोड़ो यात्रा एक साहसिक कार्यक्रम है। देश के युवा, मजदूर, किसान, छोटे व्यापारी, मध्यम उद्योग और बेरोजगार भयभीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मित्र व करीबी उद्योगपति इसी का लाभ उठा रहे हैं। उक्त बातें कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने कही। वे बुधवार को कांग्रेस के भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व काफी संख्या में



कांग्रेस के भारत जोड़ो अभियान के तहत मुराईडीह में आयोजित पदयात्रा में शामिल लोग।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुराईडीह कॉलोनी स्थित काली मंदिर से पदयात्रा करते हुए पूरे कॉलोनी का भ्रमण कर बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं पर लगे जीएसटी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार

की कड़ी आलोचना की। जलेश्वर महतो ने कहा कि पूरे देश में बेरोजगारी चरम पर है। देश महंगाई से कराह रहा है। गरीबों की थाली से एक-एक कर खाने-पीने के सामान गायब होते जा रहे हैं। और कुछ लोग इसके लिए कांग्रेस को ही दोषी

ठहराने में जुटे हैं। कहा कि कांग्रेस ने देश को एयरपोर्ट, रेल, भेल और सेल आदि दिया जिसे वर्तमान केंद्र की भाजपा सरकार एक-एक कर बेच रही है। इसी के विरोध में युवा नेता राहुल गांधी ने संकल्प लिया है। देश को भयमुक्त समाज देने का महंगाई व बेरोजगारी से देश को उबारने का। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सड़ते पांच माह तक पैदल यात्रा करेंगे। इस दौरान मौके पर अमित महतो, विकास सिंह, इंदल यादव, लगनदेव यादव, टीपी पांडेय, बलराम महतो, गोपाल सिंह, रवीन्द्र पांडेय, धरेश्वर ठाकुर, जियाउल हक, सुदेश दास सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

10 वर्षों के कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं : वीणा

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। बलियापुर प्रखंड के मुकुंदा पंचायत की पूर्व मुखिया वीणा देवी व उनके प्रतिनिधि कपूर चंद गोरई के विरुद्ध वही के रहने वाले राहुल मोदक ने सोशल मीडिया पर पथ निर्माण और इंदिरा आवास में घोटाले का आरोप लगाते हुए पोस्ट किया था। इसकी जानकारी जैसे ही पूर्व मुखिया को हुई, तो उन्होंने उक्त युवक के खिलाफ तक्रार थाने में मानहानि और 50 हजार रुपये रंगदारी मांगने की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही मुखिया प्रतिनिधि ने बुधवार को अपने समर्थकों के साथ प्रेस वार्ता कर कहा कि युवक ने किसी बुरी मंशा से तथ्यनिष्ठ पोस्ट कर बदनाम करने की



कोशिश की है। इससे उनकी छवि धूमिल हुई है। यही नहीं, और पोस्ट नहीं डालने के लिए 50 हजार रुपए की रंगदारी भी मांगी है। वहीं इस तरह की अवांछित पोस्ट से पंचायत में तनाव बढ़ गया है। यदि पुलिस इस मामले पर त्वरित कार्रवाई नहीं करती है तो मामला बढ़ सकता है। पूर्व मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से पंचायत का प्रतिनिधित्व किया हूँ लेकिन पूरे कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का आरोप पूर्व मुखिया वीणा देवी पर नहीं लगा है।

दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी की जिम्मेवारी: डॉ मनोज

झरिया (आजाद सिपाही)।

समावेशी शिक्षा के झरिया रिसोर्स सेंटर की अगुवाई में बुधवार को बीआरसी सभागार में दिव्यांग बच्चों के प्रति उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें झरिया प्रखंड के सभी आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका, सभी विद्यालय के प्रधान शिक्षक, बीआरपी, सीआरपी, बीपीओ एवं दिव्यांग बच्चों के अभिभावक शामिल हुए। कार्यशाला का उद्घाटन बीड्डाओ लक्ष्मी वर्मा एवं लीला उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ मनोज सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चे हमारे सभ्य समाज के अभिन्न अंग हैं। इनका पुनर्वास, शिक्षा, चिकित्सा एवं व्यवसाय की व्यवस्था कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हमारी जिम्मेवारी है। दिव्यांग बच्चों को



शिक्षा से जोड़ने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रथम सोपान हैं जो इनकी पहचान सुलभ रूप से कर सकती हैं। वहीं, रिसोर्स शिक्षक अखलाक अहमद ने कहा कि सरकारी सुविधाओं के लाभ के लिए दिव्यांग बच्चों का नजदीकी विद्यालय में नामांकन जरूरी है। इस मौके पर बीड्डाओ लक्ष्मी वर्मा, लीला उपाध्याय, बीपीओ सुनील सिंह, श्यामकांत झा, शुभंकर सुमन, डॉ मनोज सिंह, अखलाक अहमद, मधुकर प्रसाद, अजहर आलम, राजन श्रीवास्तव, ब्रजेश पांडे, सल्लाराम्य दत्ता, अफसाना प्रवीण व ज्वाला गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सांसद और विधायक ने किया कुमारधुबी रेलवे स्टेशन में विश्राम कक्ष का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। धनबाद के सांसद पीएन सिंह और निरसा की विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने बुधवार को कुमारधुबी रेलवे स्टेशन में खास व्यक्तियों के लिए (वीआइपी) विश्राम कक्ष का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इसके अलावा मुग्गा, छोटा अंबोना एवं कालुवथान रेलवे स्टेशन में भी द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का उद्घाटन किया। सांसद ने कहा कि द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का लाभ सभी व्यक्तिक ले सकते हैं। यहां के यात्री सब समय खुले आसमान के नीचे बैठने को मजबूर थे, जिसे देखते हुए उनको बैठने की



व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ट्रेन सुविधा बढ़ाने, कुछ विशेष ट्रेनों का कुमारधुबी स्टेशन में ठहराव बढ़ाने आदि को लेकर सभी व्यक्तिक ले सकते हैं। यहां के यात्री सब समय खुले आसमान के नीचे बैठने को मजबूर थे, जिसे देखते हुए उनको बैठने की

जाएगी। सांसद ने कहा कि केंद्र में मोदी की सरकार आने के बाद रेलवे में अभूतपूर्व परिवर्तन दिखाई दे रहा है। इस मौके पर आसनसोल रेलवे डिवीजन के डीआरएम परमानंद शर्मा, चिरकुंडा नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पार्षद आदि मौजूद थे।

अपराधियों ने श्यामडीह में किया एसबीआई एटीएम का शटर काटने का प्रयास

कतरास। कतरास थाना क्षेत्र के श्यामडीह मोड़ पर अपराधियों ने शिव प्लाजा के बाहर लगे एसबीआई के एटीएम के शटर को मंगलवार की रात फिर एक बार काटने का प्रयास किया है। बुधवार की सुबह एटीएम के शटर को गैस कटर से काटने के निशान देख गाँव व अन्य ने वरीय पदाधिकारियों व पुलिस को सूचना दी। घटना के संबंध में एटीएम के प्रतिनिधि एसपी पांडेय ने इसकी सूचना कतरास पुलिस को सुबह दी। पुलिस जांच में जुट गई है।

राजगंज में होनेवाले आजसू प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी पूरी सुदेश महतो आज बागदाहा में, 10 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं का होगा जुटान

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/राजगंज। ट. ट. डी विधानसभा क्षेत्र के बागदाहा में आयोजित होने वाले आजसू के प्रमंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों लगभग पूरी हो चुकी है। इसका जायजा लेने बुधवार को रामगढ़ के डिप्टी मेयर मनोज कुमार महतो पहुंचे और कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। डिप्टी मेयर ने बताया कि गुरुवार को होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में छोटाानापुर प्रमंडल के सातों जिलों से 10 हजार से भी अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।



तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे रामगढ़ के डिप्टी मेयर मनोज महतो व अन्य। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह पार्टी सुप्रमो सुदेश कुमार महतो के अलावा गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो भी

उपस्थित होंगे। इस मौके पर रामाशंकर तिवारी, महेंद्र प्रसाद, सियाराम प्रसाद, हलधर महतो, राजेश दास, नरेश महतो, सोनू कुमार, महेंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

बोकारो महिला समिति का स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन



बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में बुधवार को बोकारो महिला समिति का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें वतीर मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेंद्रु प्रकाश उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में संयंत्र के अधिशासी निदेशक एवं मुख्य महाप्रबंधकण, महिला समिति के अध्यक्ष अनीता तिवारी, उपाध्यक्षण एवं महिला समिति के अलावा महिला समिति संचालित स्वावलम्बन, सुरभि, बाल मंदिर, सौरभ शिशु मंदिर के कर्मचारी भी उपस्थित थे। मुख्य व विशिष्ट अतिथि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। महिला समिति संचालित बाल मंदिर के बच्चों ने गीत व नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अलावा सुरभि कर्मियों द्वारा समूह गान, स्वावलम्बन की टीम द्वारा नृत्य, महिला समिति द्वारा संचालित स्कूलों के बच्चों की प्रस्तुतियां और सुरभि एवं स्वावलम्बन के कर्मियों की कला एवं प्रतिभा के प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अमरेंद्रु प्रकाश ने अपने संबोधन में नगर की कल्याणकारी संस्था महिला समिति के कार्यकर्ताओं की सराहना की। कहा कि सामाजिक उत्थान के बच्चों में यह संस्था बेहतरीन कार्य कर रही है। उन्होंने महिला समिति के योगदान को प्रेरणात्मक बताते हुए उन्हें भविष्य में भी सामाजिक उत्थान के कार्यों को जारी रखने का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने समिति द्वारा संचालित संस्थाओं के कर्मियों को बेस्ट वर्कर अवार्ड प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन समिति की कचरल सचिव श्वेता कुमारी और धन्यवाद ज्ञापन वंदना झा ने किया।

पूर्व विधायक योगेंद्र ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन



ललपनिया (आजाद सिपाही)। गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद ने बुधवार को प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड के ग्राम पंचायत कंडेर महतो टोला में ग्रामीण उपभोक्ताओं ने लिए 100 केवीए के नए विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन फ्रीता किया। इस दौरान पूर्व विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना और उसका निदान करने का भरोसा दिया। इसके पूर्व ग्रामीणों ने अपने पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद का जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व विधायक ने सूचना मिलते ही तत्परता पूर्वक ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाए और आज बाधित बिजली सुचारु भी हो गई। इससे हम लोग बेहद खुश हैं। ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व विधायक ने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को भी सुना और कई का तो मौके पर ही समाधान भी करवा दिया। कहा कि वे सम्मानित जनता के हर दुःख सुख में सदैव साथ हैं। इस मौके पर मुखिया भानु कुमारी मोंदी, सरिता देवी, वाई सदस्य रंजीत कुमार, इंद्रनाथ महतो, सिक्कंदर अंसारी, सहादत अंसारी, संतोष महतो, राजू महतो, रंजीत महतो, विष्णु महतो, सोनेलाल महतो, कार्तिक मांडी आदि मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कोशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग-825301
email : govithazaribag@gmail.com

सूचना सं-175 **नामांकन सूचना** दिनांक-14/09/2022

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, रांची के पत्रांक-5/प्रशि0(प्रशि0)-01/2022-1107 दिनांक-08.09.2022 के अनुपालन में राँचीक सत्र-2022-23-24 के प्रथम वर्ष में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग, विष्णुगढ़ एवं महिला हजारीबाग में नामांकन हेतु ITIJHARKHAND के द्वारा 2nd Round Online Counseling के समारोह के उपरान्त रिक्त सीटों पर निम्नलिखित व्यवसायों में प्रवेश के निमित्त इच्छुक महिला एवं पुरुष उम्मीदवारों से अनुरूपी- 'क' के अनुरूप हस्तलिखित/टिफि आवेदन पत्र निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट/हाथों-हाथ निम्न शर्तों के अनुरूप आमंत्रित किया जाता है:-

- 1. शैक्षणिक योग्यता:-** (क) सभी व्यवसायों के लिए प्रवेशिका (माध्यमिक/10 वीं)/समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण। नामांकन प्रवेशिका या समकक्ष परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार पर नामांकन समिति के समक्ष उपरिष्ठित होने के समय उपलब्ध सीट के आलोक में अपेक्षा कोई प्रणाली द्वारा मेट्रिक के प्राप्तांक/मेट्रिक के आधार पर नामांकन नियमानुसार किया जायेगा। (ख) व्यवसाय वेक्टर एवं वायरलेस के लिए 8वीं / प्रवेशिका (माध्यमिक/10 वीं) / समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण अंक प्रमाण पत्र के आलोक में प्राप्तांक/मेट्रिक के आधार पर नामांकन नियमानुसार किया जायेगा।
- 2. आयु अहर्ता:-** (क)-01 जुलाई 2022 को न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष के बीच होना चाहिए। (ख)-सैन्य कार्रवाई में मारे गये सैन्य कर्मियों के विधवाओं के मामले में अधिकतम आयु 45 वर्ष। आयु के निर्धारण के लिए केवल माध्यमिक/10वीं समकक्ष परीक्षा के मूल/औपबधिक प्रमाण-पत्र में अंकित जन्म तिथि ही वैध होगी।
- 3. शारीरिक योग्यता:-** प्रशिक्षण के लिए शारीरिक योग्यता होनी चाहिए जिसके लिए निम्नलिखित चिकित्सक द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र एवं उम्मीदवारों को लिखित सपथ पत्र देना होगा कि वे प्रशिक्षण की अवधि में अनुशासन एवं संस्थान के नियमों का पालन करेंगे। प्रशिक्षण समाप्त होने के पूर्व प्रशिक्षण कमी भंग नहीं करेंगे।
- 4. शुल्क:-** प्रवेश करने के समय प्रशिक्षणार्थियों को रु 500/- (पाँच सौ रुपये मात्र) कौशन मनी (अवधान राशि) के रूप में जमा करना होगा। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा संस्थान का कोई सामान खो जाने या सामान को जान बूझकर तोड़ दिये जाने पर उसकी कीमत कौशन मनी से काट ली जायेगी तथा अन्य उचित कार्रवाई की जायेगी। उत्तीर्ण करने के बाद छात्र एक वर्ष के अन्दर कौशन मनी वापस नहीं लेते हैं। प्रशिक्षण बीच में छोड़ देते हैं तो इसे जप्त कर लिया जायेगा और सरकारी राजधानी में जमा कर दिया जायेगा। सरकारी संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से रु 20/- (दस रुपये) एवं अन्य वर्ग से रु 40/- (चालीस रुपये) प्रति महीना प्रशिक्षण शुल्क लिया जायेगा।
- 5. छात्रवृत्ति:-** अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग के प्रशिक्षणार्थियों को कल्याण विभाग से नियमानुसार छात्रवृत्ति मिल सकती है।
- 6. आरक्षण अहर्ता:-** (क) आरक्षण का प्रावधान कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, के प्रापंक-7/आर0(जि0आ0र0)-33/2002 का0-2020/सं.पी. दिनांक-09.04.2010 एवं प्रापंक-14/आ0न0-04-02/2019 का0-1434 सं.पी, दिनांक-15.02.2019 के अनुसार जिला स्तरीय रहेगा। (ख) मेट्रिक से पुने गये आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आरक्षित सीटों के विरुद्ध समायोजित नहीं किया जायेगा बल्कि खुली गुण-गुण कोटि के 40 प्रतिशत रिक्तियों के विरुद्ध माना जायेगा। (ग) प्रत्येक व्यवसाय में 5 प्रतिशत सीट दिव्यांग एवं भूतपूर्व सैनिकों के अतिरिक्त के लिए एक सीट आरक्षित है।
- 7. आवासीय अहर्ता:-** औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग, विष्णुगढ़ एवं महिला हजारीबाग में वे ही उम्मीदवार नामांकन ले सकते हैं जो झारखण्ड राज्य के निवासी हैं या स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं। झारखण्ड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक संख्या-14/स्थानीय नीति-14-03/2016 का 4650, दिनांक 02 जून 2016 (संकल्प संख्या-3198 दिनांक 18.04.2016) में स्थानीय निवासी को परिभाषित किया गया है। उम्मीदवारों का अपने दावे के समर्थन में सक्षम पदाधिकारी (अंचलाधिकारी/अनुमण्डल पदाधिकारी/उपायुक्त) द्वारा निर्गत स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र की मूल प्रति नामांकन समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- 8. जाति आधारित अहर्ता:-** नामांकन में झारखण्ड सरकार द्वारा लागू अद्वान आरक्षण नीति का पालन किया जायेगा। आरक्षित सीटों पर दावा करने वाले उम्मीदवारों को झारखण्ड राज्य के सक्षम पदाधिकारी (अंचलाधिकारी/अनुमण्डल पदाधिकारी/उपायुक्त) द्वारा निर्गत जाति प्रमाण-पत्र की मूल प्रति नामांकन के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- 9. अनुलग्नक :-** (क) प्रवेशिका अंक पत्र की स्व-अभिप्रेक्षा छयाप्रति, (ख) कठिका 7 में निर्णित अद्वान आवासीय प्रमाण-पत्र की स्व-अभिप्रेक्षा छयाप्रति, (ग) आयु के निर्धारण के लिए केवल माध्यमिक/10वीं समकक्ष परीक्षा / 8वीं परीक्षा के मूल / औपबधिक प्रमाण-पत्र, स्व-अभिप्रेक्षा छयाप्रति (घ) जाति प्रमाण-पत्र की अद्वान स्व-अभिप्रेक्षा छयाप्रति, (च) सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत दिव्यांगता प्रमाण-पत्र (दिव्यांग कोटि के लिये) की स्व-अभिप्रेक्षा छयाप्रति, (छ) जिला सैनिक परिषद द्वारा निर्गत आरक्षित प्रमाण-पत्र (भूतपूर्व सैनिक कोटि के लिए) की स्व-अभिप्रेक्षा छयाप्रति।
- 10. आवेदन प्रपत्र औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हजारीबाग में सभी कार्य दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है, साथ ही नामांकन सूचना एवं आवेदन प्रपत्र www.hazaribag.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।**
- 11. आवेदकों की मेट्रिक लिस्ट www.hazaribag.nic.in** अपलोड कर समाचार पत्रों में साक्षात्कार की तिथि व स्थल की सूचना प्रकाशित की जाएगी तथा साक्षात्कार के लिए अर्थाथियों द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाईल नम्बर पर सूचना दी जायेगी।
- 12. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि व समय- 24/09/2021** संख्या 5:00 बजे तक।
- 13. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, विष्णुगढ़ के लिए नामांकन प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग में संचालित होगा।**
- 14. आवेदन पत्र भेजने का पता- प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग, 825301 संपर्क:-** निम्न नम्बरों 8521989560/9031271707/पर सौधे बात कर या व्हाट्सएप कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग

PR277772 (Labour Employment and Training)22-23*D

खोरधारोड मंडल ने 'हिंदी दिवस' मनाया और 'हिंदी सप्ताह' का हुआ उद्घाटन, रिकेश राय ने कहा देश को एकता के सूत्र में पिरोती है हिंदी

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। 14 सितंबर 1949 में भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा घोषित किये जाने के बाद से हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। खोरधारोड मंडल ने हिंदी दिवस मनाया और कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य 14/09/2022 से 20/09/2022 तक 'हिंदी सप्ताह' भी मना रहा है। खोरधारोड के मंडल रेल प्रबंधक रिकेश राय ने हिंदी सप्ताह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अशोक कुमार, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा), कल्याण पटनायक, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओपी), सभी शाखा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित



थे। इस अवसर पर बोलते हुए रिकेश राय ने कहा कि हिंदी वह भाषा है जो पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोती है। सभी को न केवल हिंदी सप्ताह मनाया चाहिए बल्कि मिलकर सरकारी कार्यों में हिंदी का यथासंभव उपयोग करना चाहिए। उन्होंने आधिकारिक कार्यों में कर्मचारियों द्वारा हिंदी के उपयोग को बढ़ाने की पहल के लिए राजभाषा विभाग को बधाई दी खोरधारोड मंडल की राजभाषा अधिकारी उषा रानी ने हिंदी दिवस

के अवसर पर माननीय रेल मंत्री द्वारा दिये गये संदेश से सभी को अवगत कराया। कर्मचारियों के लिए हिंदी कविता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी सप्ताह के दौरान खोरधारोड मंडल के राजभाषा विभाग द्वारा कर्मचारियों के लिये हिंदी निबंध, वाक, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, राजभाषा ज्ञान और हिंदी कार्यशाला आदि जैसी प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी।

वाणिज्यिक और गैर-किराया राजस्व अनुबंधों के लिए इ-नीलामी प्रणाली

आजाद सिपाही संवाददाता
संबलपुर। भारतीय रेलवे ने स्क्रेप विक्री की प्रचलित ई-नीलामी के अनुरूप भारतीय रेलवे ई-प्रोक्वोरमेंट सिस्टम (आइआरएपीएस) के माध्यम से वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व ठेकों को इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के दायरे में लाने के लिए कदम उठाये हैं। रेल मंत्रालय ने हाल ही में वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) अनुबंधों के लिए ऑनलाइन इ-नीलामी शुरू की है। इससे न केवल रेलवे की आय में वृद्धि होगी बल्कि सरकार द्वारा व्यापार करने में आसानी के लिये किये जा रहे प्रयासों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस इ-नीलामी प्रणाली के साथ, निविदा की जटिल प्रक्रिया को सरल बनाया जायेगा। नीलामी के लिये कमाई की गई परिसंपत्तियां पारसल वैन, पे-एंड-यूज टॉयलेट, स्टेशन परिसंचारी क्षेत्रों और कोचों

पर विज्ञापन अधिकार, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, ब्लोक रूम, पार्किंग स्थल, प्लास्टिक बॉटल क्रशर, एटीएम, स्टेशन को- ब्रांडिंग, सामग्री मांग के लिए वीडियो स्क्रीन आदि होंगी। इ-नीलामी प्रक्रिया में, देश में कहीं से भी एक बोलीदाता को पोर्टल के माध्यम से भारतीय रेलवे की किसी भी फ़ोल्ड इकाई की नीलामी में भाग लेने के लिए एक बार स्व-पंजीकरण करने की आवश्यकता होती है। 40 लाख रुपये तक के वार्षिक अनुबंधों के लिए कोई वित्तीय टर्मओवर की आवश्यकता नहीं है। एक सफल बोलीदाता बहुत कम समय में ऑनलाइन और इ-मेल के माध्यम से स्वीकृत प्राप्त करने में सक्षम होगा और इस प्रकार यह पेपलेस प्रक्रिया को बढ़ावा देगा। इस इ-नीलामी प्रक्रिया के कारण, अनुबंधों की बेहतर निगरानी के साथ निविदाओं को तुरंत अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

30 किलोमीटर तक फायरिंग करते रहे उत्पाती थरया बेगूसराय, क्या नाम देगी नीतीश सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता
बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में हाइवे पर बाइक सवार दो बदमाशों ने लगभग 30 किलोमीटर तक पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग की। इसमें तेहरा थाना क्षेत्र के अयोध्या चौक के पास गोली लगने से एक शख्स की सड़क पर ही मौत हो गई। वारदात में बछड़ाड़ा, फुलवरिया, बरौनी और चकिया इलाकों में 10 लोग घायल हो गये। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोग इन्हें साइको किलर बता रहे हैं। अपराधी फायरिंग करते हुए समस्तीपुर की ओर भाग गये। मृतक की पहचान बरौनी थाना क्षेत्र के पिपरा गांव के रहनेवाले चंदन कुमार के तौर पर हुई है। वहीं घायलों में पटना के बाढ़ के रहने वाले विशाल सोलंकी, मोकामा के रहनेवाले रंजीत यादव, बेगूसराय के फुलवरिया निवासी नितेश कुमार, तैयाय के गौतम कुमार, बरौनी के अमरजित कुमार, मंसूरचक के

नीतीश कुमार, मरांची के रहनेवाले मोहन राजा के अलावा प्रशांत कुमार रजक और भरत यादव शामिल हैं। वारदात के बाद शाम 6 बजे से लेकर रात के 9 बजे तक एंबुलेंस के सायरन से बेगूसराय शहर गुंजता रहा। जैसे ही गोलीबारी की खबर लोगों के बीच पहुंची, लोग अपने घर से निकले हुए परिजनों का हाल जानने के लिए इधर-उधर फोन घुमाते रहे। बेगूसराय के एस्पपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सभी थानों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। जगह-जगह वाहन चेकिंग लगायी गई है। एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है, जो साइको किलर लग रहे हैं। इस वारदात पर पुलिस मुख्यालय भी अपनी नजर बनाये हुए है। एडीजी मुख्यालय जितेंद्र सिंह गंगवार ने बताया कि जिले की पुलिस टीम लगातार काम कर रही है। अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है। रंज के डीआइजी भी मौके पर गये हुए हैं। एस्पपी और उनकी टीम लगातार कार्रवाई करने में जुटी हुई है। दूसरी तरफ जैसे ही अपराधियों के पटना की तरफ भागने की सूचना मिली, वैसे ही पटना पुलिस को अलर्ट किया गया है। पटना के एस्पपी मानवजीत सिंह हिल्लो ने बताया-सूचना मिलते ही राजेंद्र सेतु पर चेकिंग लगा दी गई। स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सामने आकर जवाब देने की मांग की है। उन्होंने दिल्ली में कहा कि बताएं यह कौन सा जनता राज है, जहां चार थाना इलाके से अपराधी बेखौफ लोगों पर गोलीबारी करते गुजर जाता है और पुलिस उसे रोक नहीं पाती है। उन्होंने मांग की कि सभी घायलों को सरकार मुआवजा दे।

किट इंटरनेशनल मॉडल संयुक्त राष्ट्र 10वें संस्करण का समापन



आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। किट इंटरनेशनल मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) कॉन्क्लेव का 10वां संस्करण 11 सितंबर को यहाँ समाप्त हुआ, जिसमें शिक्षाविदों ने छात्रों के लाभ के लिए इस तरह के और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जहाँ वे

संचार कौशल और महत्वपूर्ण कला में महारत हासिल कर सकते। भारत भर के प्रमुख संस्थानों के लगभग 1200 प्रतिनिधियों ने 'कूटनीति के दशक' का जश्न मनाने वाली बैठक में भाग लिया और 15 समितियों की मेजबानी की। समापन समारोह में भारत में क्यूबा के राजदूत

एमयूएन ने हर छात्र को दुनिया से जोड़ा
इस अवसर पर बोलते हुए किट के प्रो वाइस चांसलर प्रो डॉ. सरनजीत सिंह ने कहा कि मॉडल यूएन इवेंट छात्रों के लिये अपने संचार कौशल को सुधारने और महत्वपूर्ण सोच विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। किट की कुलपति प्रो सस्मिता सामंत ने कहा कि एमयूएन ने हर छात्र को दुनिया से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि आयोजन के नतीजे संयुक्त राष्ट्र को भेजे जायेंगे। वीसी ने बताया कि आने वाले महीने छात्रों के लिए भी उतने ही रोमांचक होंगे क्योंकि विश्वविद्यालय महत्व के चार अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करेगा जो छात्रों को नवाचार के स्वभाव को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रदर्शन देगा। 9 सितंबर को उद्घाटन समारोह किट और किट्स के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने गरीबी और भूख जैसे मुद्दों के समाधान में एमयूएन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

एलेजांद्रो सिमंकास मॅरिन ने भाग को बनाये रखने में संयुक्त राष्ट्र की लिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित

किया और छात्रों को बेहतर इंसान बनने और भारत और दुनिया के भविष्य के लिए सामूहिक रूप से काम करने की सलाह दी। एशिया में सबसे बड़े और सबसे प्रतिष्ठित मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलनों में से एक होने के नाते, किट इंटरनेशनल एमयूएन 2022 प्रतिनिधियों के नये उत्साह के साथ अपनी विरासत को जीने में सफल रहा है, क्यूबा के दूत ने शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका के लिये किट डीमंड-टू-बी-यूनिवर्सिटी की प्रशंसा की और भारत और विदेशों में 10-15 किट जैसे विश्वविद्यालय स्थापित करने का सुझाव दिया।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

संबलपुर (आजाद सिपाही)। मंगलवार और बुधवार को जागृति महिला मंडल और आनंद विहार अस्पताल द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। केंद्रीय अस्पताल ईब वैली, त्रिलोचन नेत्रालय संबलपुर के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ और आनंद विहार अस्पताल के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के मदद से उक्त शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें कुल 95 रोगियों की जांच की गई। 70 रोगियों को एमसीएल द्वारा प्रदान किये जाने वाले चश्मे का उपयोग करने की सलाह दी गई।

झारसुगुडा में वेदांत एल्युमिनियम की ओर से जन प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। झारसुगुडा वेदांत एल्युमिनियम ने एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया था। जिसमें उसके कर्मचारियों और व्यापारिक सहयोग ने प्राथमिक उपचार और सीपीआर पर बुनियादी ज्ञान प्राप्त किया। शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए कंपनी का इष्टिकोण फास्ट एड चिकित्सा सहायता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया। वेदांत झारसुगुडा फास्ट एड में 800 से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी हैं। कंपनी के पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में इस पहल के बारे में, श्री सुनील गुप्ता सीईओ-वेदांत लिमिटेड झारसुगुडा ने कहा, हम देखभाल की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं जहाँ हमारे कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के स्वास्थ्य और कल्याण को ऊपर प्राथमिकता दिया जाता है। हमारे शारीरिक स्वास्थ्य प्रयास हमारे कर्मशाला में एक बहुमुखी कल्याण उपकरण होंगे। काम के अलावा, हमारा लक्ष्य स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य और जीवन शैली में सुधार करना भी है।

प्रभात कम्प्यूटर एजुकेशन
ADCA DCA DTP PYTHON
CC++ PHOTOSHOP JAVA TALLY ERP-9
TYPING
2ND FLOOR, CIRCULAR ROAD, 215B, HARIOM TOWER RD, RANCHI

Sontosh Kumar 75037 29696 92056 24569
S M TOY & School Furnituer
Old Bank Colony, RMCH, Near Sadhu Maidan
Shop Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi-834001 (Jharkhand)
Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park, Playzone, Mails, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis

रत्न सागर
B.K. BINOBA Astro-Palmit & Numerologist (M.Phil) (Gold Medalist)
पंचवटी प्लाजा 9-A, कचहरी रोड, राँची
वूल हाउस के बगल में मेन रोड, राँची

बंधन वस्त्रालय
दोहरों के लिए वस्त्रों का अनुपम संग्रह
सुरेश बाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, रांची
9835556076, 7004715365

DR. SWATI'S CLINIC
Dental & Health Care
FOR APPOINTMENT CALL 7857930138 / 8235075755
Dr. Swati Prabhat Dental Surgeon
Laxmi Tower, H.B. Road, Near Sadhu Maidan, Ranchi

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

study MBBS in ABROAD
RUSSIA GEORGIA POLAND EGYPT KAZHAKASTAN UZBEKISTAN
Get Direct Admission in Top Government Medical Universities of ABROAD.
Call Now! +91-7903149721

ज्योतिष ग्रहस्तन केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त रेखा शास्त्र • अंक शास्त्र
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट भुतपुर बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

LOOKING FOR ONE STEP SOLUTIONS FOR EQUIPMENTS AT A JOB SITE?
EDAMRU HIRING SOLUTIONS PRIVATE LIMITED
www.edamru.com

वर्मा प्रेस प्रा0 लि0 राँची
Verma's Today
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं - Based on JCERT
Class - VIII Class VI & VII
Class VIII Today (Combined) ₹ 250
Class VIII Today (English Medium) ₹ 280
Mathematics Practical ₹ 60
Science Practical ₹ 60
S. Science Practical ₹ 60
Hindi Vyakaran-I ₹ 60
English Grammar-I ₹ 60
Sanskrit Vyakaran-I ₹ 50
Class VII Today (Combined) ₹ 240
Class VI Today (Combined) ₹ 240
Hindi Vyakaran-I ₹ 60
English Grammar-I ₹ 60
Sanskrit Vyakaran-I ₹ 50
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

अविराम ए ग्रुप ऑफ इंस्टीटयुशंस
(मान्यता एवं संबद्धता रांची वि.वि., जैक, एनपीयू, पी.सी.आई., JSPC, JNRC एवं चिह्नित NCTE मुक्नेश्वर उड़ीसा)
टिको, कुडू, लोहरदगा एवं हुटाप, चंदवा, लातेहार (झारखंड)
FACILITIES : SCHOLARSHIP • BUS & HOSTEL FACILITY • CAMPUS PLACEMENT • WELL EQUIPPED LAB • ONLINE ADMISSION PAYMENT & ONLINE CLASS FACILITY
URGENT REQUIREMENT
B. Sc Nursing/ M.Sc Nursing Pass
D. Pharma/ B. Pharmacy Pass
B.Ed & M.Ed in (Science/Literature Social Science)
Send resume within 3 days in 7782054270
संपर्क कौजि: 7782054270, 8987470640